

## CTET L1 Marathi L2 Sanskrit P1

Topic:- CDP\_P1\_CTET

1) Recent theories in the field of child development suggest that development gets influenced by

- (i) genetics
- (ii) education
- (iii) culture
- (iv) social policies

- (1) (i) only
- (2) (i), (ii) only
- (3) (i), (ii), (iii) only
- (4) (i), (ii), (iii), (iv)

बाल विकास के क्षेत्र में हाल ही के सिद्धान्त यह सुझावित करते हैं कि विकास प्रभावित होता है

- (i) आनुवंशिकता से
- (ii) शिक्षा से
- (iii) संस्कृति से
- (iv) सामाजिक नीतियों से

- (1) केवल (i)
- (2) केवल (i), (ii)
- (3) केवल (i), (ii), (iii)
- (4) (i), (ii), (iii), (iv)

[Question ID = 1][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q1]

- 1. 1 [Option ID = 1]
- 2. 2 [Option ID = 2]
- 3. 3 [Option ID = 3]
- 4. 4 [Option ID = 4]

2) Development of children occurs

- (1) in an orderly manner but is individualistic in nature.
- (2) in a disorderly manner suddenly at a particular moment.
- (3) at the same rate for all children across the world.
- (4) as a result of schooling only.

बच्चों का विकास किस प्रकार से होता है ?

- (1) व्यवस्थित रूप से होता है परन्तु स्वाभाविक रूप से वैयक्तिक होता है ।
- (2) अव्यवस्थित रूप में, किसी विशिष्ट पल में अचानक से उभर आता है ।
- (3) पूरे विश्व में सभी बच्चों में एकसमान दर से होता है ।
- (4) केवल विद्यालयीकरण के परिणाम से होता है ।

[Question ID = 2][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) \_\_\_\_\_ is a primary agent/agency of socialisation and \_\_\_\_\_ is a secondary agent/agency of socialisation among young children.

- (1) Family; library
- (2) Parents' workplace; neighbourhood
- (3) Mass media; family
- (4) Law; religious organisation

छोटे बच्चों में समाजीकरण का \_\_\_\_\_ प्राथमिक कारक/संस्था है और \_\_\_\_\_ द्वितीयक कारक/संस्था है ।

- (1) परिवार; पुस्तकालय
- (2) अभिभावकों का कार्यस्थल; आस-पड़ोस
- (3) संचार माध्यम; परिवार
- (4) कानून; धार्मिक संगठन

[Question ID = 3][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) As per Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage do most children clearly understand Past, Present and Future ?

- (1) Sensorimotor
- (2) Preoperational
- (3) Concrete operational
- (4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार, अधिकांश बच्चे किस अवस्था में बीते हुए समय, वर्तमान और भविष्य के बारे में स्पष्ट रूप से समझ बना लेते हैं ?

- (1) संवेदी-गत्यात्मक
- (2) पूर्व-संक्रियात्मक
- (3) मूर्त संक्रियात्मक
- (4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q4]

- 1. 1 [Option ID = 13]
- 2. 2 [Option ID = 14]
- 3. 3 [Option ID = 15]
- 4. 4 [Option ID = 16]

5) In Jean Piaget's theory, the basic building blocks of thinking are referred to as

- (1) Reflexes
- (2) Schemas
- (3) Codes
- (4) Concepts

जीन पियाज़े के सिद्धान्त में, चिन्तन की बुनियादी निर्मितियों को किस रूप में जाना जाता है ?

- (1) सहज क्रियाएँ
- (2) स्कीमा
- (3) संकेत
- (4) अवधारणाएँ

[Question ID = 5][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q5]

- 1. 1 [Option ID = 17]
- 2. 2 [Option ID = 18]
- 3. 3 [Option ID = 19]
- 4. 4 [Option ID = 20]

6) According to Lev Vygotsky's theory, \_\_\_\_\_ shape(s) \_\_\_\_\_ development.

- (1) Genes; Social
- (2) Culture; Cognitive
- (3) Nature; Emotional
- (4) Emotions; Physical

लेव वायगोत्स्की के सिद्धान्त के अनुसार, \_\_\_\_\_ विकास को \_\_\_\_\_ आकार देता/देते हैं/हैं।

- (1) सामाजिक; आनुवंशिक कारक
- (2) संज्ञानात्मक; संस्कृति
- (3) भावात्मक; प्राकृतिक कारक
- (4) शारीरिक; संवेग

[Question ID = 6][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q6]

- 1. 1 [Option ID = 21]
- 2. 2 [Option ID = 22]
- 3. 3 [Option ID = 23]
- 4. 4 [Option ID = 24]

7) Lev Vygotsky emphasised upon the role of \_\_\_\_\_ in the process of cognitive development.

- (1) Language
- (2) Cognitive conflict
- (3) Reflexes
- (4) Schemas

लेव वायगोत्स्की ने संज्ञानात्मक विकास की प्रक्रिया में किसकी भूमिका पर बल दिया है ?

- (1) भाषा
- (2) संज्ञानात्मक द्वंद्व
- (3) सहज क्रियाएँ
- (4) स्कीमा

[Question ID = 7][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q7]

- 1. 1 [Option ID = 25]
- 2. 2 [Option ID = 26]
- 3. 3 [Option ID = 27]
- 4. 4 [Option ID = 28]

8) Both Lawrence Kohlberg and \_\_\_\_\_ have given theories of moral development.

- (1) Lev Vygotsky
- (2) Jerome Bruner
- (3) Jean Piaget
- (4) B. F. Skinner

नैतिक विकास का सिद्धान्त लॉरेंस कोहलबर्ग के साथ-साथ और किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया है ?

- (1) लेव वायगोत्स्की
- (2) जेरोम ब्रुनर
- (3) जीन पियाजे
- (4) बी. एफ. स्किनर

[Question ID = 8][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q8]

- 1. 1 [Option ID = 29]
- 2. 2 [Option ID = 30]
- 3. 3 [Option ID = 31]
- 4. 4 [Option ID = 32]

9) A teacher should be \_\_\_\_\_ about his pedagogies.

- (1) rigid
- (2) inflexible
- (3) flexible
- (4) ignorant

एक अध्यापक को अपनी शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियों के बारे में किस प्रकृति का होना चाहिए ?

- (1) दृढ़ (जड़)
- (2) गैर-लचीला
- (3) लचीला (सुनम्य)
- (4) अनजान

[Question ID = 9][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q9]

- 1. 1 [Option ID = 33]
- 2. 2 [Option ID = 34]
- 3. 3 [Option ID = 35]
- 4. 4 [Option ID = 36]

10) Intelligence Quotient (IQ) tests are often critiqued for

- (1) their ability to measure a broad range of skills
- (2) having an implicit western culture bias
- (3) considering social influence on intelligence
- (4) overestimating the influence of emotions of cognition

बुद्धि लब्धि (IQ) परीक्षणों की आलोचना प्रायः क्यों की जाती है ?

- (1) कौशलों की विस्तृत श्रृंखला को मापने की उनकी क्षमता
- (2) प्रत्यक्ष रूप से पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से ग्रसित
- (3) बुद्धि पर सामाजिक प्रभाव का अवबोधन
- (4) संज्ञान पर भावनाओं के प्रभाव का अतिशय प्राक्कलन

[Question ID = 10][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q10]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) **Assertion (A) :**

When a student is struggling to find solution for a given problem, the teacher should encourage the student to verbalise her thoughts.

**Reason (R) :**

Learning is more effective when teachers keep minimal expectation of success from students.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

**अभिकथन (A) :**

जब कोई विद्यार्थी किसी दिए गए प्रश्न का हल ढूँढने की प्रक्रिया से जूझ रहा है, तो अध्यापक को उसे अपने विचार मौखिक तौर पर अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

**तर्क (R) :**

अधिगम तब अधिक प्रभावशाली होता है जब अध्यापक विद्यार्थियों से सफलता की कम-से-कम अपेक्षा रखते हैं।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 11][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q11]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Gender is a \_\_\_\_\_ construct while sex is a \_\_\_\_\_ construct.

- (1) social, biological
- (2) social, moral
- (3) moral, social
- (4) biological, social

जेंडर \_\_\_\_\_ निर्मिति है जबकि लिंग \_\_\_\_\_ निर्मिति है ।

- (1) सामाजिक, जैविक
- (2) सामाजिक, नैतिक
- (3) नैतिक, सामाजिक
- (4) जैविक, सामाजिक

[Question ID = 12][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q12]

- 1. 1 [Option ID = 45]
- 2. 2 [Option ID = 46]
- 3. 3 [Option ID = 47]
- 4. 4 [Option ID = 48]

13) A teacher should \_\_\_\_\_ individual differences in learning preferences to facilitate learning for all.

- (1) consider
- (2) ignore
- (3) remove
- (4) downplay

एक अध्यापक को सभी के लिए अधिगम सहज-सुगम बनाने के लिए अधिगम प्राथमिकताओं में वैयक्तिक भिन्नताओं के प्रति क्या करना चाहिए ?

- (1) उन्हें महत्वपूर्ण मानना चाहिए
- (2) उनको अनदेखा करना चाहिए
- (3) उनको मिटा देना चाहिए
- (4) दमन करना चाहिए

[Question ID = 13][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q13]

- 1. 1 [Option ID = 49]
- 2. 2 [Option ID = 50]
- 3. 3 [Option ID = 51]
- 4. 4 [Option ID = 52]

14) The main purpose of assessments should be to

- (1) find ranges in students' scores
- (2) understand students' learning progress
- (3) identify potential failures and achievers
- (4) assign grades to the students

आकलन का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

- (1) विद्यार्थियों के अंकों की व्यापकता का पता लगाना
- (2) विद्यार्थियों के सीखने की प्रगति के प्रति समझ बनाना
- (3) संभाव्य असफल और सफल विद्यार्थियों की पहचान करना
- (4) विद्यार्थियों को ग्रेड मान देना

[Question ID = 14][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) Which of the following technique is likely to encourage critical thinking among students ?

- (1) Asking for immediate response on questions
- (2) Allowing reflection time to students
- (3) Asking close-ended questions to students
- (4) Discouraging interaction among students

निम्नलिखित में से कौन-सी प्रविधि विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिन्तन को प्रोत्साहित कर सकती है ?

- (1) प्रश्न का तुरन्त उत्तर देने के लिए कहना
- (2) विद्यार्थियों को विमर्श हेतु समय देना
- (3) विद्यार्थियों से बंद-अंत वाले प्रश्न पूछना
- (4) विद्यार्थियों में परस्पर अन्तःक्रिया को निरुत्साहित करना

[Question ID = 15][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Which of the following hinders inclusion of students belonging to disadvantaged groups ?

- (1) Stereotypes and set beliefs
- (2) Child-centric approaches
- (3) Formative assessment
- (4) Consideration of individual differences

सुविधा वंचित समूहों से संबंध रखने वाले विद्यार्थियों के समावेशन में निम्नलिखित में से किसके द्वारा अवरोध उत्पन्न होता है ?

- (1) रूढ़िबद्ध और स्थापित धारणाएँ
- (2) बाल-केन्द्रित उपागम
- (3) रचनात्मक आकलन
- (4) वैयक्तिक भिन्नताओं का ध्यान रखना

[Question ID = 16][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Dysgraphia poses direct challenges in

- (1) Sketching
- (2) Speaking
- (3) Seeing
- (4) Hearing

पठनवैकल्य प्रत्यक्ष रूप से किस कौशल में चुनौती का कारण बनता है/दिता है ?

- (1) स्केच बनाना
- (2) वाचन
- (3) देखना
- (4) सुनना

[Question ID = 17][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) In order to successfully include students with visual impairment, a teacher should

- (1) write as much information as possible on the board
- (2) restrict the use of assistive devices in class
- (3) verbalise the written information
- (4) give very easy tasks only to these students

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को सहजता के साथ शामिल करने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

- (1) जितनी अधिक संभव हो सके, अधिक से अधिक सूचनाएँ श्यामपट्ट पर लिखनी चाहिए
- (2) कक्षा में समर्थक उपकरणों का प्रयोग बाधित करना चाहिए
- (3) लिखित सूचनाओं को मौखिक रूप से सम्प्रेषित करना चाहिए
- (4) इन विद्यार्थियों को केवल बहुत ही सरल से कार्य देने चाहिए

[Question ID = 18][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Which of the following is a typical identifying characteristic of students with Autism ?

- (1) Highly developed social skills
- (2) Impulsivity
- (3) Impaired communication skills
- (4) Above-average IQ levels

स्वलीनता विकार से जूझते विद्यार्थियों की प्रतिनिधिक पहचान विशेषता निम्नलिखित में से क्या है ?

- (1) उच्च रूप से विकसित सामाजिक कौशल
- (2) आवेगशीलता
- (3) अवरुद्ध सम्प्रेषण कौशल
- (4) औसत से ऊपर बुद्धि लब्धि स्तर

[Question ID = 19][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q19]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Giftedness in children is characterised by

- (1) low levels of intelligence
- (2) high levels of comprehension
- (3) easily giving up on tasks
- (4) inability to perform simple tasks with focussed attention

बच्चों में प्रतिभाशीलता किस प्रकार से परिलक्षित होती है ?

- (1) बुद्धि का निम्न स्तर
- (2) बोधगम्यता का उच्च स्तर
- (3) कार्यों को आसानी से छोड़ देना
- (4) छोटे-छोटे कार्यों को ध्यान केन्द्रित करके कर पाने की अक्षमता

[Question ID = 20][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q20]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) *Assertion (A) :*

Schools should emphasize on curriculum aimed at constructing new knowledge.

*Reason (R) :*

Children are capable of constructing and interpreting new knowledge with support of teacher.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

*अभिकथन (A) :*

विद्यालयों को नवीन ज्ञान के सृजन की ओर लक्षित पाठ्यचर्या पर बल देना चाहिए ।

*तर्क (R) :*

बच्चों में अध्यापक के सहयोग से नवीन ज्ञान के सृजन और उसकी व्याख्या करने की क्षमता होती है ।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 21][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q21]

1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Schools should emphasise on

- (1) reproduction of materials learnt
- (2) textbook learning
- (3) decontextualised learning
- (4) constructive learning

विद्यालयों को किस पर बल देना चाहिए ?

- (1) सीखी गई सामग्रियों को ज्यों का त्यों कह देना
- (2) पाठ्यपुस्तक से सीखना
- (3) संदर्भरहित अधिगम
- (4) रचनात्मक अधिगम

[Question ID = 22][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q22]

- 1. 1 [Option ID = 85]
- 2. 2 [Option ID = 86]
- 3. 3 [Option ID = 87]
- 4. 4 [Option ID = 88]

23) In order to create a conducive learning environment, it is important to

- (1) minimise opportunities for self-learning
- (2) give chances for self-assessment
- (3) promote competition among students
- (4) follow standardised curriculum

प्रेरक अधिगम परिवेश सृजित करने के लिए क्या महत्वपूर्ण है ?

- (1) स्व-अधिगम के लिए अवसरों को कम कर देना
- (2) स्व-आकलन हेतु अवसर देना
- (3) विद्यार्थियों में प्रतियोगी भावना को बढ़ावा देना
- (4) मानकीकृत पाठ्यचर्या का अनुसरण करना

[Question ID = 23][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q23]

- 1. 1 [Option ID = 89]
- 2. 2 [Option ID = 90]
- 3. 3 [Option ID = 91]
- 4. 4 [Option ID = 92]

24) *Assertion (A) :*

A teacher should encourage students to develop entity view of ability.

*Reason (R) :*

Entity view of ability motivates students to learn more effectively.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

*अभिकथन (A) :*

अध्यापक को चाहिए कि वह विद्यार्थियों को योग्यता का सत्त्व संबंधी परिप्रेक्ष्य विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

*तर्क (R) :*

योग्यता का अस्तित्व संबंधी परिप्रेक्ष्य विद्यार्थियों को अधिक प्रभावशाली तरीके से सीखने के लिए अभिप्रेरित करता है।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 24][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q24]

- 1. 1 [Option ID = 93]
- 2. 2 [Option ID = 94]
- 3. 3 [Option ID = 95]
- 4. 4 [Option ID = 96]

25) Which of the following is likely to hinder problem solving ?

- (1) Functional fixedness
- (2) Cognitive flexibility
- (3) Divergent thinking
- (4) Reflective writing

निम्नलिखित में से किसके द्वारा समस्या समाधान में अवरोध पैदा होने की संभावना है ?

- (1) कार्यात्मक स्थिरता
- (2) संज्ञानात्मक सुनम्यता (लचीलापन)
- (3) अपसारी चिंतन
- (4) विमर्शात्मक लेखन

[Question ID = 25][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q25]

- 1. 1 [Option ID = 97]

2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) **Assertion (A) :**

Teachers should identify the misconceptions carried by students and discuss those instead of ignoring them.

**Reason (R) :**

These misconceptions are a form of alternative conceptions which students often form based on their interaction with environment and these are meaningful in process of learning.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

**अभिकथन (A) :**

अध्यापकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों की भ्रांतियों की पहचान करें और उनको अनदेखी करने के बजाय उन पर चर्चा करें।

**तर्क (R) :**

ये भ्रांतियाँ वैकल्पिक अवधारणाओं के रूप हैं, जो अक्सर विद्यार्थी अपने परिवेश के साथ अन्तःक्रिया करके आधार बना लेते हैं और ये अधिगम की प्रक्रिया में अर्थपूर्ण हैं।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 26][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q26]

1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) **Emotions \_\_\_\_\_.**

- (1) significantly influence learning but don't have any influence on memory
- (2) have no influence on learning but significantly influence memory
- (3) significantly influence learning as well as memory
- (4) have no influence either on learning or on memory

## भावनाएँ

- (1) अधिगम को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं परन्तु स्मृति पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
- (2) अधिगम पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं डालती लेकिन स्मृति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं ।
- (3) अधिगम को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं साथ ही साथ स्मृति को भी ।
- (4) न तो अधिगम को प्रभावित करती हैं और न ही स्मृति को प्रभावित करती हैं ।

[Question ID = 27][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) Students feel motivated to learn if the task is

- (1) Irrelevant
- (2) Unchallenging
- (3) Related to their life
- (4) Very abstract

विद्यार्थी सीखने के प्रति अभिप्रेरित होते हैं यदि कार्य

- (1) अप्रासंगिक हो ।
- (2) बिना किसी चुनौती वाला हो ।
- (3) उनके जीवन से संबंधित हो ।
- (4) बहुत ही अमूर्त हो ।

[Question ID = 28][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) To facilitate students' learning, a teacher should

- (1) ignore previous knowledge of students
- (2) not clarify syntax and structure
- (3) minimise generalisation and transfer of learning
- (4) avoid use of subject-jargons

विद्यार्थियों के अधिगम को सहज-सुगम बनाने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

- (1) विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान की अनदेखी करनी चाहिए
- (2) वाक्य-विन्यास और संरचना स्पष्ट नहीं करनी चाहिए
- (3) अधिगम के अति सामान्यीकरण और निस्तारण को कम करना चाहिए
- (4) विषय से संबंधित शब्द-जाल के प्रयोग से बचना चाहिए

[Question ID = 29][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) Which of the following hinders learning ?

- (1) Relating previous knowledge with topic to be taught
- (2) Sense of alienation with school culture
- (3) Implementation of multisensory approach
- (4) Pedagogy based on constructivism

निम्नलिखित में से किसके द्वारा अधिगम में बाधा उत्पन्न होती है ?

- (1) पहले पढ़ाए गए विषय से ज्ञान को सम्बद्ध करना
- (2) विद्यालयी संस्कृति से विमुखता का भाव
- (3) बहुसंवेदी उपागम का क्रियान्वयन
- (4) रचनावाद पर आधारित शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियाँ

[Question ID = 30][Question Description = CTET\_P1\_PART\_1\_CDP\_SET\_102\_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH\_Q31-45\_P1\_CTET

1) Ten crore twenty thousand two hundred three is written in figures as

- (1) 100002203
- (2) 1020203
- (3) 1002203
- (4) 100020203

दस करोड़ बीस हजार दो सौ तीन को अंकों में लिखा जाता है

- (1) 100002203
- (2) 1020203
- (3) 1002203
- (4) 100020203

[Question ID = 31][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q31]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) Which of the following fractions is less than  $\frac{4}{5}$  and greater than  $\frac{1}{2}$  ?

- (1)  $\frac{8}{9}$
- (2)  $\frac{7}{9}$
- (3)  $\frac{1}{3}$
- (4)  $\frac{2}{5}$

निम्न में से कौन-सी भिन्न  $\frac{4}{5}$  से छोटी है और  $\frac{1}{2}$  से बड़ी है ?

- (1)  $\frac{8}{9}$
- (2)  $\frac{7}{9}$
- (3)  $\frac{1}{3}$
- (4)  $\frac{2}{5}$

[Question ID = 32][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q32]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) What will be the value of K in the six digit number 56234K, if the number is divisible by 6 ?

- (1) 0
- (2) 1
- (3) 4
- (4) 6

छः अंकों की संख्या 56234K, में K का क्या मान होगा, यदि यह संख्या 6 से विभाज्य हो ?

- (1) 0
- (2) 1
- (3) 4
- (4) 6

[Question ID = 33][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q33]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

- 4) In a class of 28 students, 15 are girls. If 21 students clean their teeth daily and  $\frac{3}{5}$  of the girls clean their teeth daily, then state which fraction of boys are doing the same work daily.

- (1)  $\frac{2}{5}$
- (2)  $\frac{4}{7}$
- (3)  $\frac{4}{9}$
- (4)  $\frac{12}{13}$

28 विद्यार्थियों की एक कक्षा में 15 लड़कियाँ हैं। यदि 21 विद्यार्थी प्रतिदिन अपने दाँत साफ करते हैं तथा लड़कियों का  $\frac{3}{5}$  भाग प्रतिदिन अपने दाँत साफ करती हैं, तो बताइए कि लड़कों का कितना भाग प्रतिदिन यही काम करता है।

- (1)  $\frac{2}{5}$
- (2)  $\frac{4}{7}$
- (3)  $\frac{4}{9}$
- (4)  $\frac{12}{13}$

[Question ID = 34][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q34]

- 1. 1 [Option ID = 133]
- 2. 2 [Option ID = 134]
- 3. 3 [Option ID = 135]
- 4. 4 [Option ID = 136]

- 5) Which of the following statements are true ?

- (i) Every number is always more than its additive inverse.
- (ii) Sum of any two integers is always more than each of the integers.
- (iii) Successor of  $-2$  is  $-1$ .
- (iv) Product of a number and its additive inverse is always negative.

Options :

- (1) (i) and (iii)
- (2) (ii) and (iv)
- (3) (i) and (ii)
- (4) (iii) and (iv)

निम्न में से कौन-से कथन सत्य हैं ?

- (i) प्रत्येक संख्या अपने योज्य प्रतिलोम से सदैव बड़ी होती है।
- (ii) किन्हीं भी दो पूर्णाकों का योग उन पूर्णाकों में से प्रत्येक से बड़ा होता है।
- (iii)  $-2$  का परवर्ती  $-1$  है।
- (iv) एक संख्या और उसके योज्य प्रतिलोम का गुणनफल सदैव ऋणात्मक होता है।

विकल्प :

- (1) (i) और (iii)
- (2) (ii) और (iv)
- (3) (i) और (ii)
- (4) (iii) और (iv)

[Question ID = 35][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q35]

- 1. 1 [Option ID = 137]
- 2. 2 [Option ID = 138]
- 3. 3 [Option ID = 139]
- 4. 4 [Option ID = 140]

6) A shopkeeper bought 138 boxes of apples each containing 24 apples. He could sell only  $117\frac{3}{4}$  boxes of apples on the first day. How many apples are left with him ?

- (1) 486
- (2) 498
- (3) 510
- (4) 522

एक दुकानदार ने सेबों के 138 डिब्बे, जिनमें से प्रत्येक में 24 सेब हैं, खरीदे। पहले दिन वह सेबों के केवल  $117\frac{3}{4}$  डिब्बे ही बेच पाया। उसके पास कितने सेब शेष बचे हैं ?

- (1) 486
- (2) 498
- (3) 510
- (4) 522

[Question ID = 36][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q36]

- 1. 1 [Option ID = 141]
- 2. 2 [Option ID = 142]
- 3. 3 [Option ID = 143]
- 4. 4 [Option ID = 144]

7) Two angles having their sum  $180^\circ$  are always known as

- (1) Adjacent angles
- (2) Complementary angles
- (3) Supplementary angles
- (4) Linear pair

दो कोण जिनका योग  $180^\circ$  है, सदैव कहलाते हैं

- (1) आसन्न कोण
- (2) पूरक कोण
- (3) सम्पूरक कोण
- (4) रैखिक युग्म

[Question ID = 37][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q37]

- 1. 1 [Option ID = 145]
- 2. 2 [Option ID = 146]
- 3. 3 [Option ID = 147]
- 4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the following statements is *not* true ?

- (1) Sum of an acute angle and a right angle is always an obtuse angle.
- (2) Sum of two acute angles is always less than a right angle.
- (3) Sum of two right angles is equal to a straight angle.
- (4) Sum of two obtuse angles is always a reflex angle.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य *नहीं* है ?

- (1) एक न्यूनकोण और एक समकोण का योग सदैव एक अधिक कोण होता है।
- (2) दो न्यूनकोणों का योग सदैव एक समकोण से कम होता है।
- (3) दो समकोणों का योग एक ऋजु कोण के बराबर होता है।
- (4) दो अधिक कोणों का योग सदैव एक प्रतिवर्ती कोण होता है।

[Question ID = 38][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q38]

- 1. 1 [Option ID = 149]
- 2. 2 [Option ID = 150]
- 3. 3 [Option ID = 151]
- 4. 4 [Option ID = 152]

9) Which one of the following groups of letters have only one line of symmetry ?

- (1) B, I, H
- (2) C, G, U
- (3) D, E, M
- (4) N, A, B

निम्न अक्षर-समूहों में से किस एक में केवल एक सममित रेखा है ?

- (1) B, I, H
- (2) C, G, U
- (3) D, E, M
- (4) N, A, B

[Question ID = 39][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q39]

- 1. 1 [Option ID = 153]
- 2. 2 [Option ID = 154]
- 3. 3 [Option ID = 155]
- 4. 4 [Option ID = 156]

10) Yogesh runs with a speed of 30 km/h and completes a race in 5 minutes. What is the length of the race (in m) ?

- (1) 2050
- (2) 2500
- (3) 2550
- (4) 2600

योगेश 30 km/h की चाल से दौड़ता है और किसी दौड़ को 5 मिनट में पूरा करता है। उस दौड़ की कितनी लंबाई (m में) है ?

- (1) 2050
- (2) 2500
- (3) 2550
- (4) 2600

[Question ID = 40][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q40]

- 1. 1 [Option ID = 157]
- 2. 2 [Option ID = 158]
- 3. 3 [Option ID = 159]
- 4. 4 [Option ID = 160]

11) Shalu reached her sister's house on 18<sup>th</sup> January, 2020 in the morning and left her house on 2<sup>nd</sup> April, 2020 at night. For how many days did she stay there ?

- (1) 74
- (2) 75
- (3) 76
- (4) 77

शालू प्रातः 18 जनवरी, 2020 को अपनी बहन के घर पहुँची और 2 अप्रैल, 2020 की रात को वापस चल पड़ी। वह वहाँ कितने दिन ठहरी ?

(1) 74

(2) 75

(3) 76

(4) 77

[Question ID = 41][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]
2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) The side of a square is 48 cm. The length and breadth of a rectangle are  $1\frac{1}{2}$  and  $\frac{2}{3}$  respectively of the side of the square. The difference in their perimeters (in cm) is

(1) 10

(2) 12

(3) 14

(4) 16

एक वर्ग की भुजा 48 cm है। एक आयत की लम्बाई और चौड़ाई उस वर्ग की भुजा की क्रमशः  $1\frac{1}{2}$  तथा  $\frac{2}{3}$  गुनी हैं। इनके परिमापों में अन्तर (cm में) है

(1) 10

(2) 12

(3) 14

(4) 16

[Question ID = 42][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) What will be the next number in the pattern  $\frac{1}{4}, \frac{3}{16}, \frac{5}{64}, \frac{7}{256}, \dots$  ?

(1)  $\frac{8}{125}$

(2)  $\frac{9}{284}$

(3)  $\frac{9}{1024}$

(4)  $\frac{11}{4096}$

पैटर्न  $\frac{1}{4}, \frac{3}{16}, \frac{5}{64}, \frac{7}{256}, \dots$  में अगली संख्या क्या आएगी ?

(1)  $\frac{8}{125}$

(2)  $\frac{9}{284}$

(3)  $\frac{9}{1024}$

(4)  $\frac{11}{4096}$

[Question ID = 43][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) 540 persons were asked to vote for their favourite season from the three seasons – Winter, Summer, Rainy. Data so obtained was represented in a pie chart. If the central angle for winter season is  $150^\circ$ , then how many persons had voted for winter season ? (Assume that each person has voted for one season only)

(1) 100

(2) 150

(3) 225

(4) 300

540 व्यक्तियों से शीत, ग्रीष्म और वर्षा ऋतुओं में से उनकी पसन्द की ऋतु पूछी गई। प्राप्त आंकड़ों को पाई चार्ट पर दर्शाया गया। यदि शीत ऋतु का केन्द्रीय कोण  $150^\circ$  आया, तो कितने व्यक्तियों ने शीत ऋतु को पसन्द किया ? (कल्पना कीजिए कि प्रत्येक व्यक्ति ने केवल एक ऋतु को ही पसंद किया है)

(1) 100

(2) 150

(3) 225

(4) 300

[Question ID = 44][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) Rahul saved some money every month from his pocket money as given below :

| End of the month | Total Savings (in ₹)<br>up to that month |
|------------------|------------------------------------------|
|------------------|------------------------------------------|

|          |     |
|----------|-----|
| January  | 80  |
| February | 140 |
| March    | 210 |
| April    | 285 |
| May      | 375 |
| June     | 480 |

Which of the following statements is correct ?

- (1) Savings in May is maximum.
- (2) Sum of savings in January and February is equal to the sum of savings in March and May.
- (3) Least savings is in the month of February.
- (4) Total savings up to end of June is ₹ 375.

राहुल ने अपने जेब खर्च में से प्रति माह कुछ बचत की, जैसा नीचे दिया है :

| माह का अन्त | उस माह तक कुल बचत (₹ में) |
|-------------|---------------------------|
|-------------|---------------------------|

|        |     |
|--------|-----|
| जनवरी  | 80  |
| फरवरी  | 140 |
| मार्च  | 210 |
| अप्रैल | 285 |
| मई     | 375 |
| जून    | 480 |

निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

- (1) मई में अधिकतम बचत हुई ।
- (2) जनवरी और फरवरी में हुई बचत का योग मार्च तथा मई में हुई बचत के योग के बराबर है ।
- (3) सबसे कम बचत फरवरी माह में हुई ।
- (4) जून माह के अन्त तक की कुल बचत ₹ 375 है ।

[Question ID = 45][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q45]

- 1. 1 [Option ID = 177]
- 2. 2 [Option ID = 178]
- 3. 3 [Option ID = 179]
- 4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH\_Q46-60\_P1\_CTET

- 1) According to National Curriculum Framework, 2005 discussions in a primary grade mathematics classroom should be
- (1) didactic in nature.
  - (2) based on mathematical concepts learnt inside the classroom only.
  - (3) contextual and based on life-experiences of children.
  - (4) focused on solving problems given in mathematics textbook.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर की गणित की कक्षा में परिचर्चा \_\_\_\_\_ होनी चाहिए।

- (1) प्रकृति में उपदेशात्मक
- (2) केवल कक्षा में सीखी हुई गणितीय अवधारणाओं पर आधारित
- (3) संदर्भात्मक एवं बच्चों के जीवन के अनुभवों पर आधारित
- (4) गणित की पाठ्यपुस्तक में दी गई समस्याओं के समाधान पर केन्द्रित

[Question ID = 46][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

- 2) Which of the following is the most appropriate characteristic of mathematical language at primary level ?
- (1) It must be highly focused, specific and technical.
  - (2) It must be ambiguous and open-ended so as to make learning joyful.
  - (3) It should be reinforced through the language used by the child in everyday life.
  - (4) It should not include mathematical vocabulary at all.

निम्नलिखित में से कौन-सी प्राथमिक स्तर पर गणितीय भाषा की सर्वाधिक उपयुक्त विशिष्टताएँ हैं ?

- (1) यह अत्यधिक एकाग्रचित, सुस्पष्ट और प्राविधिक होनी चाहिए।
- (2) अधिगम को आनन्दमयी बनाने के लिए इसे अस्पष्ट और आम दिनचर्या वाली भाषा की तरह होना चाहिए।
- (3) दैनिक जीवन में बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के माध्यम से इसे प्रबलित करना चाहिए।
- (4) इसमें गणितीय शब्दसंग्रह को बिल्कुल भी सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

[Question ID = 47][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which of the following is/are the most appropriate purpose of classroom assessment in mathematics at primary level ?

- (A) To inform and guide teaching-learning process.
- (B) To provide opportunities to the learner to reflect on their learning.
- (C) To create competition among learners to improve their performance.

Choose the correct option :

- (1) (A) and (B)
- (2) (A) and (C)
- (3) (B) and (C)
- (4) Only (A)

निम्नलिखित में से प्राथमिक स्तर पर गणित के कक्षायी आकलन के सर्वाधिक उपयुक्त उद्देश्य क्या है/हैं ?

- (A) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को निर्देशित करना एवं मार्गदर्शन देना ।
- (B) शिक्षार्थियों को उनके अधिगम पर विचार करने के अवसर प्रदान करना ।
- (C) शिक्षार्थियों में उनके निष्पादन में सुधार के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना ।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (B)
- (2) (A) और (C)
- (3) (B) और (C)
- (4) केवल (A)

[Question ID = 48][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q48]

- 1. 1 [Option ID = 189]
- 2. 2 [Option ID = 190]
- 3. 3 [Option ID = 191]
- 4. 4 [Option ID = 192]

4) Which of the following is **not** a pre-number concept ?

- (1) Matching
- (2) Hierarchical inclusion
- (3) Seriating
- (4) Approximation

निम्नलिखित में से कौन-सी संख्या-पूर्व अवधारणा **नहीं** है ?

- (1) मिलान
- (2) पदानुक्रमित समावेशन
- (3) क्रमबद्ध लगाना
- (4) सन्निकटन

[Question ID = 49][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) The children in a mathematics class are arranging the given numbers in the following order :  
28, 48, 57, 92

Which of the following concepts is being used by the children in arranging the numbers ?

- (1) Proportion
- (2) Place value
- (3) Regrouping
- (4) Approximation

गणित की कक्षा में बच्चे दी गई संख्याओं को निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित कर रहे हैं :

28, 48, 57, 92

बच्चों द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सी अवधारणा का उपयोग संख्याओं को व्यवस्थित करने में किया गया है ?

- (1) समानुपात
- (2) स्थानीय मान
- (3) पुनः समूहीकरण
- (4) सन्निकटन

[Question ID = 50][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q50]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Which among the following is the most appropriate strategy for introducing the concept of place value to grade I learners ?

- (1) Write the place value of numbers on the blackboard and explain.
- (2) Write expanded form of numbers.
- (3) Use manipulatives to explain 10 as a bundle of ones.
- (4) Draw place value columns on a chart paper.

स्तर I के शिक्षार्थियों को स्थानीय मान की अवधारणा प्रस्तावित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी सबसे उपयुक्त योजना है ?

- (1) श्यामपट्ट पर संख्याओं का स्थानीय मान लिखिए और समझाइए ।
- (2) संख्याओं के विस्तारित रूप को लिखिए ।
- (3) हस्त कौशल सामग्री का उपयोग करते हुए 10 को एकक के गट्टे के रूप में समझाइये ।
- (4) स्थानीय मान के स्तंभों को चार्ट पेपर पर चित्रित कीजिए ।

[Question ID = 51][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) "Communication is an important process skill required in mathematics." What do you mean by mathematical communication ?

- (1) Ability of the child to read the word problems quickly and correctly
- (2) Ability of the child to participate in mathematics quiz
- (3) Ability of the child to consolidate, organise and express mathematical thinking
- (4) Ability of the child to write mathematical essays

"गणित में संप्रेषण एक महत्वपूर्ण वांछित प्रक्रिया कौशल है।" गणितीय संप्रेषण से आप क्या समझते हैं ?

- (1) ईबारती सवालों को शीघ्र तथा सही तरीके से पढ़ने की बच्चे की क्षमता
- (2) गणितीय प्रश्नोत्तरी में भाग लेने की बच्चे की क्षमता
- (3) गणितीय चिंतन को समेकित, संघटित एवं अभिव्यक्त करने की बच्चे की क्षमता
- (4) गणितीय निबंध लिखने की बच्चे की क्षमता

[Question ID = 52][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) When asked to find out  $354 + 99$ , a primary grade student, solves it in the following way :

$$354 + 99 = 354 + 99 + 1 - 1 = 354 + 100 - 1 = 454 - 1 = 453$$

The strategy used by the student to find the sum is known as

- (1) Substitution
- (2) Addition-Subtraction
- (3) Compensation
- (4) Partition

जब  $354 + 99$  का जोड़ ज्ञात करने के लिए कहा गया, तब प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी ने निम्न प्रकार से उसे हल किया :

$$354 + 99 = 354 + 99 + 1 - 1 = 354 + 100 - 1 = 454 - 1 = 453$$

जोड़ ज्ञात करने के लिए विद्यार्थी द्वारा प्रयुक्त विधि/कार्यनीति कहलाती है

- (1) विस्थापन
- (2) योजन-व्यवकलन
- (3) प्रतिकरण
- (4) वितरण/विभाजन

[Question ID = 53][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]

- 2. 2 [Option ID = 210]
- 3. 3 [Option ID = 211]
- 4. 4 [Option ID = 212]

9) Which of the following is **not** true about mathematics ?

- (1) It is based on empirical evidences to prove different mathematical truths.
- (2) It is based on deductive reasoning.
- (3) It is a creative discipline and has aesthetic value.
- (4) It is validated by reasoning.

निम्नलिखित में से कौन-सा गणित के संबंध में सही **नहीं** है ?

- (1) विभिन्न गणितीय तथ्यों को प्रमाणित करने के लिए यह अनुभवजन्य/अनुभवसिद्ध साक्ष्यों पर आधारित है।
- (2) यह निगमनात्मक विवेचन पर आधारित है।
- (3) यह एक सृजनात्मक विषय-क्षेत्र है और इसका सौंदर्यपरक मूल्य है।
- (4) इसे तर्क द्वारा वैधीकृत/अभिपुष्ट किया जाता है।

[Question ID = 54][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q54]

- 1. 1 [Option ID = 213]
- 2. 2 [Option ID = 214]
- 3. 3 [Option ID = 215]
- 4. 4 [Option ID = 216]

10) 'NIPUN' Bharat scheme that ensures every child in India gains foundational numeracy and literacy was launched by the Education Ministry of India under National Education Policy (NEP) 2020. 'NIPUN' stands for

- (1) National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy
- (2) National Initiative for Proficiency in Writing with Understanding and Numeracy
- (3) National Initiative for Perfection in Understanding and Numeracy
- (4) National Initiative for Improved Pedagogy in Understanding and Numeracy

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अंतर्गत, भारतीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'निपुण' भारत योजना की शुरुआत की गई थी जो प्रत्येक छात्र में आधारभूत संख्यात्मकता एवं साक्षरता को सुनिश्चित करती है। 'निपुण' भारत का पूरा नाम है

- (1) नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी
- (2) नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रोफिशिएंसी इन राइटिंग विद अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी
- (3) नेशनल इनीशिएटिव फॉर परफेक्शन इन अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी
- (4) नेशनल इनीशिएटिव फॉर इम्प्रूव्ड पैडागोजी इन अंडरस्टैंडिंग एंड न्यूमेरेसी

[Question ID = 55][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q55]

- 1. 1 [Option ID = 217]
- 2. 2 [Option ID = 218]
- 3. 3 [Option ID = 219]
- 4. 4 [Option ID = 220]

11) Class I and Class II NCERT books have chapters based on listing out daily activities in a child's routine; the days of a week, days of months, change of weather etc. Such chapters :

- (1) Convey no meaning in a mathematics classroom.
- (2) Make mathematics textbook colourful and fun to read.
- (3) Help students learn the standard units of measurement.
- (4) Help students to learn the concept of time contextually.

NCERT की कक्षा I और कक्षा II की पाठ्यपुस्तकों में ऐसे पाठ हैं जो कि बच्चे की दैनिक गतिविधियों को सूचीबद्ध करने पर; सप्ताह के दिनों पर, महीनों के दिनों पर, मौसम के परिवर्तन, आदि पर आधारित हैं। ऐसे पाठ :

- (1) गणित की कक्षा में किसी अर्थ को संप्रेषित नहीं करते हैं।
- (2) गणित की पाठ्यपुस्तक को रंग-बिरंगा एवं आनंददायक बनाते हैं।
- (3) विद्यार्थियों को मापन की मानक इकाइयों को सीखने में सहयोग करते हैं।
- (4) विद्यार्थियों को समय की अवधारणा को संदर्भात्मक रूप से सीखने में सहयोग करते हैं।

[Question ID = 56][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) Which among the following is/are part of the key processes required for developing creative thinking in mathematics ?

- A. Recognising patterns and relationships
- B. Formulating hypotheses
- C. Using a given formula to solve problems

- (1) A and B
- (2) A and C
- (3) B and C
- (4) Only B

निम्नलिखित में से कौन-सा/से गणित में सृजनात्मक चिंतन के विकास के लिए मुख्य प्रक्रमों का एक भाग है/हैं ?

- A. पैटर्न तथा संबंधों को पहचानना
- B. परिकल्पनाएँ बनाना
- C. दिए गए सूत्र का उपयोग कर समस्याओं का समाधान करना

- (1) A और B
- (2) A और C
- (3) B और C
- (4) केवल B

[Question ID = 57][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q57]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) According to National Curriculum Framework 2005, the most appropriate way to develop a positive attitude towards mathematics and a liking for it in primary grade children is to

- (1) provide opportunities to enhance cognitive skills for learning mathematics
- (2) use mathematical games, puzzles and stories to make connections between mathematics and children's life experiences
- (3) use an aptitude scale to find out children's score on it and provide remedial measures
- (4) frequently organise sessions by experts on importance of mathematics in everyday life

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर के बच्चों में गणित के प्रति रुचि एवं एक सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करने का सबसे उपयुक्त मार्ग है

- (1) गणित के अधिगम हेतु संज्ञानात्मक कौशलों में वृद्धि के लिए अवसर प्रदान करना
- (2) गणित एवं बच्चों के जीवन के अनुभवों में, गणितीय खेलों, पहेलियों और कहानियों का उपयोग कर, संबंध बनाना
- (3) अभिक्षमता स्केल का उपयोग कर बच्चों का परिणाम जानना एवं उपचारी विधियाँ प्रदान करना
- (4) दैनिक जीवन में गणित के महत्त्व पर विशेषज्ञों द्वारा सत्रों का निरंतर आयोजन करना

[Question ID = 58][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q58]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) When asked to solve  $12 \times 25$ , a child uses the following method :

$$12 \times 25 = 3 \times 4 \times 25 = 3 \times 100 = 300$$

As a constructivist mathematics teacher what will be your reaction to the strategy used by the child ?

- (1) Accept the answer but tell the child that it is not the right way to do multiplication.
- (2) Instruct the child to seek help from other students to solve the problem using correct algorithm.
- (3) Appreciate the child and encourage other students to come up with different ways to solve the problem.
- (4) Appreciate the child's answer but advice him/her not to use this method in examination to solve the problem.

जब किसी बच्चे को  $12 \times 25$  का हल निकालने के लिए कहा गया, तब उसने निम्नलिखित विधि अपनाई :

$$12 \times 25 = 3 \times 4 \times 25 = 3 \times 100 = 300$$

गणित के एक रचनावादी शिक्षक के रूप में, बच्चे द्वारा प्रयुक्त विधि पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ?

- (1) उत्तर स्वीकारें किन्तु बच्चे को बताएँ कि गुणन करने की यह सही विधि नहीं है।
- (2) सही कलन विधि का उपयोग कर प्रश्न हल करने के लिए बच्चे को अन्य विद्यार्थियों की सहायता लेने का निर्देश दें।
- (3) बच्चे की सराहना करें और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रश्न हल करने के लिए विभिन्न तरीकों को ढूँढने के लिए कहें।
- (4) बच्चे के उत्तर की सराहना करें किन्तु उसे सलाह दें कि परीक्षा में प्रश्न हल करने के लिए इस विधि का उपयोग न करे।

[Question ID = 59][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following statements is least likely to be one of the characteristics of levels in Van Hiele's theory of geometric thinking ?

- (1) They are age dependent
- (2) They are sequential
- (3) They are experience dependent
- (4) They are developmental

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन वैन हैले की ज्यामितीय चिंतन के सिद्धांत (थ्योरी) में स्तरों की न्यून रूप से संभावनीय विशिष्टता है ?

- (1) ये आयु पर निर्भर हैं
- (2) ये आनुक्रमिक हैं
- (3) ये अनुभव पर निर्भर हैं
- (4) ये विकासात्मक हैं

[Question ID = 60][Question Description = CTET\_P1\_PART\_2\_MATHS\_SET\_102\_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

- 1) With respect to the location of the capital of India the directions of Lucknow (Capital of Uttar Pradesh) and Jaipur (Capital of Rajasthan) respectively are
- (1) North-East, North-West
  - (2) South-East, South-West
  - (3) South-West, South-East
  - (4) North-West, North-East

भारत की राजधानी की स्थिति के सापेक्ष लखनऊ (उत्तर प्रदेश की राजधानी) और जयपुर (राजस्थान की राजधानी) की दिशाएँ क्रमशः हैं

- (1) उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम
- (2) दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम
- (3) दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व
- (4) उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व

[Question ID = 61][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

- 2) A teacher is recruited in a school in Maharashtra. She is teaching about food and she gives an example of 'bharli vangi', which is a dish made of
- (1) stuffed baby eggplant preparation
  - (2) plain lentil stew
  - (3) creamy dish of fresh pomfret fishes
  - (4) curry made of potatoes, cauliflower and tomatoes

एक अध्यापिका की नियुक्ति महाराष्ट्र के एक विद्यालय में हुई है। वह भोजन के विषय में पढ़ा रही है तथा वह 'भरली वांगी' का उदाहरण देती है जो कि एक व्यंजन है जो बना है

- (1) छोटे-छोटे भरवाँ बैंगन से
- (2) सादा दाल का दमपुख्त (स्टू)
- (3) ताजी पोमफ्रेट मछलियों का मलाईदार व्यंजन
- (4) आलू, फूलगोभी तथा टमाटर की करी

[Question ID = 62][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

- 3) The feathers of the birds are of different colours, shapes and sizes. Their feathers help them to fly and
- A. eat different types of food
  - B. keep them warm
  - C. walk in different ways
  - D. keep them waterproof
- (1) B and C  
(2) B and D  
(3) B, C and D  
(4) A, B, C and D

पक्षियों के पंख विभिन्न रंगों, आकारों एवं माप के होते हैं। इनके पंख उन्हें उड़ने में सहायता करते हैं तथा

- A. विभिन्न प्रकार का भोजन खाने में
  - B. उन्हें गर्म रखते हैं
  - C. विभिन्न तरीकों से चलने में
  - D. उन्हें जलसह बनाते हैं
- (1) B और C  
(2) B और D  
(3) B, C और D  
(4) A, B, C और D

[Question ID = 63][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q63]

- 1. 1 [Option ID = 249]
- 2. 2 [Option ID = 250]
- 3. 3 [Option ID = 251]
- 4. 4 [Option ID = 252]

4) Animals that lay eggs have following characteristics :

- (1) external ears and hair on their bodies
- (2) internal ears and no hair on their bodies
- (3) external ears and no hair on their bodies
- (4) internal ears and have hair on their bodies

जो पशु अण्डे देते हैं, उनकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं :

- (1) उनके बाहरी कान एवं शरीर पर बाल होते हैं।
- (2) उनके आंतरिक कान होते हैं एवं शरीर पर बाल नहीं होते हैं।
- (3) उनके बाहरी कान होते हैं एवं शरीर पर बाल नहीं होते हैं।
- (4) उनके आंतरिक कान एवं शरीर पर बाल होते हैं।

[Question ID = 64][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) The name of the first Indian women who reached the peak of the Mount Everest and pitched the national flag and took photographs of the event is

- (1) Karnam Malleswari
- (2) Sunita Williams
- (3) Suryamani
- (4) Bacchhendri Pal

उस पहली भारतीय महिला का नाम, जिन्होंने एवरेस्ट पर्वत की चोटी पर कदम रखा और राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) गाड़ा तथा कई फोटो भी खींचीं, है

- (1) कर्णम मल्लेश्वरी
- (2) सुनीता विलियम्स
- (3) सूर्यमणि
- (4) बछेन्द्री पाल

[Question ID = 65][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) Which of the following statement(s) is/are true regarding Manipur ?

- A. Manipur means 'Land of Jewels'.
- B. Lavani is the folk dance of Manipur.
- C. Loktak lake is known for circular floating swamps called phumdis.
- D. Manipur is the largest producer of bamboo products.

- (1) A only
- (2) A, C and D
- (3) A, B and C
- (4) A and C

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन मणिपुर के सम्बन्ध में सही है/हैं ?

- A. मणिपुर का अर्थ है 'जेवरों का देश' ।
- B. लावनी मणिपुर का लोक नृत्य है ।
- C. लोकटक ताल जाना जाता है फुमदी नामक गोलाकार तैरते हुए दलदलों के लिए ।
- D. मणिपुर बाँस के उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक है ।

(1) केवल A

(2) A, C और D

(3) A, B और C

(4) A और C

[Question ID = 66][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q66]

- 1. 1 [Option ID = 261]
- 2. 2 [Option ID = 262]
- 3. 3 [Option ID = 263]
- 4. 4 [Option ID = 264]

7) Work is something we do to

- A. earn fame
- B. have fun
- C. support oneself and others
- D. save energy

(1) A and B

(2) B and C

(3) C only

(4) C and D

कार्य ऐसी चीज़ है जो हम करते हैं

- A. यश कमाने के लिए
- B. मनोरंजन के लिए
- C. अपने को व अन्य लोगों को सहारा/भरण-पोषण के लिए
- D. ऊर्जा बचाने के लिए

(1) A और B

(2) B और C

(3) केवल C

(4) C और D

[Question ID = 67][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q67]

- 1. 1 [Option ID = 265]
- 2. 2 [Option ID = 266]
- 3. 3 [Option ID = 267]
- 4. 4 [Option ID = 268]

- 8) Which of the following is true about an elephant herd ?
- A. Their herd always has two or more old male elephants in it.
  - B. Their herd has all male elephants and baby elephants living with female elephants.
  - C. Male elephants live in the herd till they are 14-15 years old.
  - D. Their herd has only female and baby elephants.

Choose the correct option :

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) C and D
- (4) A and D

हाथियों के झुंड के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है ?

- A. उनके झुंड में हमेशा दो या उससे अधिक नर हाथी होते हैं।
- B. उनके झुंड में सारे नर हाथी होते हैं तथा हाथी के बच्चे मादा हाथियों के साथ रहते हैं।
- C. नर हाथी झुंड के साथ 14-15 वर्ष की आयु तक रहते हैं।
- D. उनके झुंड में केवल मादाएँ तथा हाथियों के बच्चे रहते हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (1) A तथा B
- (2) B तथा C
- (3) C तथा D
- (4) A तथा D

[Question ID = 68][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q68]

- 1. 1 [Option ID = 269]
- 2. 2 [Option ID = 270]
- 3. 3 [Option ID = 271]
- 4. 4 [Option ID = 272]

- 9) In the textbook for class V a map of Golconda Fort is given. On the right bottom of the map following scale is printed.

Scale 1 cm = 110 metre

If on the map the distance between the Fateh Darwaza and Patancheru Darwaza is 15.2 cm, the actual distance between these two places is

- (1) 1.520 km
- (2) 1.652 km
- (3) 1.672 km
- (4) 16.72 km

कक्षा V की पाठ्यपुस्तक में गोलकोंडा किले का मानचित्र दिया गया है। इस पर दाहिने नीचे की ओर पैमाना छपा है।

पैमाना 1 सेमी = 110 मीटर

यदि इस मानचित्र पर फतेह दरवाजा और पटनचेरु दरवाजा के बीच की दूरी 15.2 सेमी है, तो इन दोनों स्थानों के बीच की वास्तविक दूरी है

- (1) 1.520 किलोमीटर
- (2) 1.652 किलोमीटर
- (3) 1.672 किलोमीटर
- (4) 16.72 किलोमीटर

[Question ID = 69][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q69]

- 1. 1 [Option ID = 273]
- 2. 2 [Option ID = 274]
- 3. 3 [Option ID = 275]
- 4. 4 [Option ID = 276]

10) Sona's friend Tara is from Mizoram. Tara has difficulty in speaking Hindi because in Mizoram the main languages spoken are

- (1) Khasi, Assamese
- (2) Mizo, Lusei, Kuki
- (3) Meiteilon, English
- (4) Mao, Bengali

सोना की सहेली तारा मिज़ोरम से है। तारा को हिन्दी बोलने में परेशानी होती है क्योंकि मिज़ोरम में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाएँ हैं

- (1) खासी, असमी
- (2) मिज़ो, लूसेई, कुकी
- (3) मेतेलॉन, अंग्रेजी
- (4) माओ, बंगाली

[Question ID = 70][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q70]

- 1. 1 [Option ID = 277]
- 2. 2 [Option ID = 278]
- 3. 3 [Option ID = 279]
- 4. 4 [Option ID = 280]

11) Petroleum and Coal are known as non-renewable fuels because they

- (1) cause pollution
- (2) are expensive
- (3) are obtained through fractional distillation
- (4) take many years to form

पेट्रोलियम तथा कोयले को अनवीकरणीय ईंधन कहा जाता है क्योंकि ये

- (1) प्रदूषण फैलाते हैं
- (2) महुँगे होते हैं
- (3) प्रभाजी आसवन के द्वारा प्राप्त किए जाते हैं
- (4) बनने में कई साल लगते हैं

[Question ID = 71][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Mountaineers carry oxygen cylinders with them because they need it for

- (1) Cooking food as availability of fuel is less in mountains.
- (2) Keeping them warm by burning oxygen in it.
- (3) breathing as less oxygen is available at high altitudes.
- (4) Putting up support for tents.

पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन सिलिंडर ले जाते हैं क्योंकि उन्हें इसकी जरूरत होती है

- (1) खाना पकाने के लिए क्योंकि पर्वतों में ईंधन की उपलब्धता कम होती है।
- (2) अपने को गर्म रखने के लिए उसमें उपस्थित ऑक्सीजन को जला कर।
- (3) साँस लेने के लिए क्योंकि अधिक ऊँचाइयों पर ऑक्सीजन की मात्रा कम मिलती है।
- (4) टेंट लगाने के लिए सहारे के रूप में।

[Question ID = 72][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) Three Indian states having coast on the Arabian Sea are

- (1) Karnataka, Tamil Nadu, Andhra Pradesh
- (2) Maharashtra, Karnataka, Puducherry
- (3) Goa, Maharashtra, Kerala
- (4) Telangana, Kerala, Karnataka

अरब सागर के तीन भारतीय तटवर्ती प्रदेश (राज्य) हैं

- (1) कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश
- (2) महाराष्ट्र, कर्नाटक, पुदुचेरी
- (3) गोआ, महाराष्ट्र, केरल
- (4) तेलंगाना, केरल, कर्नाटक

[Question ID = 73][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]

2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) The traditional dance of Rajasthan where veiled women dancers balance seven to nine brass pots on their head is known as

- (1) Kalbelia
- (2) Kathak
- (3) Terah Taali
- (4) Bhavai

राजस्थान का पारम्परिक नृत्य जिसमें घूँघट वाली महिला नृत्यांगनाएँ सिर पर सात से नौ पीतल के घड़ों को संभालती हैं, कहलाता है

- (1) कालबेलिया
- (2) कथक
- (3) तेरह ताली
- (4) भवाई

[Question ID = 74][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Madhubani is a famous

- A. Lake in Rajasthan
- B. Shawl from Bihar
- C. Woven saree from Andhra Pradesh
- D. Form of folk art Paintings from Bihar
- E. Place in Bihar

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) B, D and E
- (4) D and E

मधुबनी एक प्रसिद्ध

- A. झील है राजस्थान में
- B. बिहार की शॉल है
- C. आंध्र प्रदेश की बुनी हुई साड़ी है
- D. बिहार की एक प्रकार की लोक-कला चित्रकारी है
- E. बिहार का एक स्थान है

(1) A और B

(2) B और C

(3) B, D और E

(4) D और E

[Question ID = 75][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q75]

- 1. 1 [Option ID = 297]
- 2. 2 [Option ID = 298]
- 3. 3 [Option ID = 299]
- 4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS\_Q76-90\_P1\_CTET

- 1) Shobhit observes a picture in a book where girls are shown playing with pebbles and boys are shown playing cricket. He asks his teacher that why are boys and girls playing separately ? Why are boys not playing pebbles ? Why are girls not playing cricket ? Which of the following EVS teaching objectives are included in this event ?

- A. Development of higher level critical thinking.
- B. Development of broad cultural attitude and aesthetic sensitivity.
- C. Development of an understanding based on observation and picturization.
- D. Development of cognitive ability for generating curiosity about a social event.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, B and D

(4) A, C and D

शोभित किताब में एक चित्र देखता है, जिसमें लड़कियों को गोटियाँ खेलते तथा लड़कों को क्रिकेट खेलते हुए दिखाया गया है। वह अपने अध्यापक से पूछता है कि लड़के और लड़कियाँ अलग-अलग क्यों खेल रहे हैं ? लड़के गोटियाँ क्यों नहीं खेल रहे हैं ? लड़कियाँ क्रिकेट क्यों नहीं खेल रही हैं ?

निम्नलिखित में से कौन-से पर्यावरण अध्ययन शिक्षण उद्देश्य इस घटना में सम्मिलित हैं ?

- A. उच्च स्तरीय आलोचनात्मक सोच विकसित करना।
- B. व्यापक सांस्कृतिक नज़रिया एवं सौन्दर्य के प्रति संवेदना विकसित करना।
- C. अवलोकन और चित्रण के आधार पर समझ विकसित करना।
- D. सामाजिक घटना के बारे में जिज्ञासु बनाने के लिए संज्ञानात्मक क्षमता विकसित करना।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, B और D

(4) A, C और D

[Question ID = 76][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q76]

- 1. 1 [Option ID = 301]
- 2. 2 [Option ID = 302]
- 3. 3 [Option ID = 303]
- 4. 4 [Option ID = 304]

2) As an EVS teacher, you want to introduce the theme of 'Seasons' to your learners of class II. Which one of the following would be the best pedagogic strategy ?

- (1) Use charts and books to explain the concept of seasons
- (2) Use videos of seasons to later explain seasons on blackboard
- (3) Use newspapers to read about articles on seasons
- (4) Use food habits, clothes worn and relevant local literature to develop interest in seasons

पर्यावरण अध्ययन के एक शिक्षक के रूप में, आप कक्षा II के अपने विद्यार्थियों के समक्ष विषय 'ऋतुएँ' प्रस्तावित करना चाहते हैं। निम्नलिखित में से कौन एक उत्तम शिक्षणशास्त्रीय युक्ति होगी ?

- (1) संप्रत्यय ऋतुएँ समझाने के लिए चार्ट एवं पुस्तकों का उपयोग
- (2) श्यामपट्ट पर लिखे विषय ऋतुएँ को बाद में समझाने के लिए ऋतुओं के वीडियो का उपयोग
- (3) ऋतुओं पर लिखे लेख पढ़ने के लिए समाचार-पत्रों का उपयोग
- (4) ऋतुओं के विषय में रुचि का विकास करने के लिए भोजन की आदतों, पहनने के वस्त्रों और संदर्भित स्थानीय साहित्य का उपयोग

[Question ID = 77][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q77]

- 1. 1 [Option ID = 305]
- 2. 2 [Option ID = 306]

3. 3 [Option ID = 307]

4. 4 [Option ID = 308]

3) Which of the following statements are the correct description of the nature of assessment ?

- A. It is a part of teaching-learning process, that is continuous.
- B. It acquaints about the achievement level of students and what they don't know.
- C. It diagnoses the hindrances in learning and helps in their removal.
- D. It acquaints about the tendency to learn, interests and prior experiences of students.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, C and D

(4) A, B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन आकलन की प्रकृति की सही व्याख्या करते हैं ?

- A. शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया का एक अंग है, जो सतत चलता रहता है।
- B. विद्यार्थियों के उपलब्धि स्तर तथा उन्हें क्या नहीं आता है, के बारे में अवगत कराता है।
- C. सीखने में आई बाधाओं का पता लगाकर उन्हें दूर करने में सहायक है।
- D. विद्यार्थियों की सीखने की प्रवृत्ति, रुचि एवं पूर्व अनुभवों के बारे में अवगत कराता है।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 78][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]

2. 2 [Option ID = 310]

3. 3 [Option ID = 311]

4. 4 [Option ID = 312]

4) As EVS teacher of class V, in the chapter 'Walls Tell Stories' you need to introduce learners to historical monuments, which method you think will suit best ?

- (1) Virtual tours, online games and quiz related to historical monuments
- (2) Passage reading on historical monuments
- (3) Visits to local historical monuments followed by discussion
- (4) Lecture discussion method to explain the past of historical monuments

कक्षा V के पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, पाठ 'बोलती इमारतें' के लिए आपको विद्यार्थियों को ऐतिहासिक इमारतों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, आप क्या सोचते हैं कि कौन-सी विधि सर्वथा उत्तम होगी ?

- (1) ऐतिहासिक इमारतों से संबंधित आभासी सैर, ऑन-लाइन खेल और पहेली
- (2) ऐतिहासिक इमारतों पर परिच्छेद पठन
- (3) स्थानीय ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण और तत्पश्चात् उन पर चर्चा
- (4) ऐतिहासिक इमारतों का भूतकाल समझाने के लिए व्याख्यान-चर्चा विधि

[Question ID = 79][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) A teacher asked students to draw an ant. Some students made 4 legs of ant while some made 6 and some 8 legs. What should the teacher do ?

- (1) Tell them that ants have 6 legs and not 4 or 8 legs
- (2) Tell them that students who made 6 legs are correct and all other students are wrong
- (3) Show them a picture of an ant and ask them to observe the number of legs
- (4) Give them a magnifying lens and ask to them observe the number of legs in an ant

अध्यापक विद्यार्थियों से एक चींटी का चित्र बनाने को कहते हैं। कुछ विद्यार्थी चींटी के चार पैर बनाते हैं, जबकि कुछ छह और कुछ आठ पैर बनाते हैं। अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

- (1) यह कहना चाहिए कि चींटी के छह पैर होते हैं, चार या आठ नहीं होते
- (2) यह कहना चाहिए कि जिन विद्यार्थियों ने छह पैर बनाए हैं, वे सही हैं और बाकी सभी विद्यार्थी गलत हैं
- (3) उन्हें चींटी का चित्र दिखाकर पैरों की संख्या देखने के लिए कहना चाहिए
- (4) उन्हें आवर्धक लेंस देकर, चींटी के पैरों की संख्या को देखने के लिए कहना चाहिए

[Question ID = 80][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) As an EVS teacher of class IV, you have to introduce the concept of astronauts to learners. Which method will you follow ?

- (1) Explain the definition of astronaut and ask students to memorise
- (2) Deliver a lecture on astronauts
- (3) Share biographies of astronauts of India and then highlight main features
- (4) Share stories on astronauts to help students understand the concept

कक्षा IV के पर्यावरण अध्ययन के शिक्षक के रूप में, आपको विद्यार्थियों को अंतरिक्षयात्रियों का संप्रत्यय प्रस्तावित करना है। इसलिए आप कौन-से प्रक्रम का अनुसरण करेंगे ?

- (1) विद्यार्थियों को अंतरिक्षयात्रियों की परिभाषा समझाइए और याद करने के लिए कहिए
- (2) अंतरिक्षयात्रियों पर एक व्याख्यान दीजिए
- (3) भारत के अंतरिक्षयात्रियों की आत्मकथाएँ साझा कीजिए और उनकी मुख्य विशेषताओं को इंगित कीजिए
- (4) अंतरिक्षयात्रियों की कहानियाँ साझा कीजिए और विद्यार्थियों को विषय को समझने में सहायता कीजिए

[Question ID = 81][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Yash asked his teacher, "Why some food-product packets are labelled with red while some food-product packets are labelled with green dot ?". Teacher explained that green dot indicates vegetarian food while red dot indicates non-vegetarian food. She asked students to observe various food-product packets and enlist them as vegetarian and non-vegetarian. Which of the following processes are involved in this activity ?

- A. Identification
- B. Imagination
- C. Bias
- D. Classification

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) C and D
- (4) A and D

यश ने अपने अध्यापक से पूछा, “कुछ भोजन उत्पादों के पैकेट पर हरे गोले क्यों हैं, जबकि कुछ भोजन उत्पादों के पैकेट पर लाल गोले बने हैं ?” । अध्यापक समझाते हैं कि हरे गोले शाकाहारी खाने तथा लाल गोले मांसाहारी खाने को सूचित करते हैं । अध्यापक ने विद्यार्थियों को विभिन्न भोजन उत्पादों के पैकेट देखकर उन्हें शाकाहारी अथवा मांसाहारी में सूचीबद्ध करने को कहा । इस गतिविधि में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

- A. पहचान
- B. कल्पना
- C. पूर्वाग्रह
- D. वर्गीकरण

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 82][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q82]

- 1. 1 [Option ID = 325]
- 2. 2 [Option ID = 326]
- 3. 3 [Option ID = 327]
- 4. 4 [Option ID = 328]

8) As an EVS teacher, you decide to familiarise students with contemporary issues related to environment. Which one of the following would you prefer ?

- (1) Ask students to watch news channels
- (2) Ask students to subscribe to newspapers at home
- (3) Relate relevant articles in class and also share them
- (4) Talk to parents to ensure newspaper reading at home

एक पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, अपने विद्यार्थियों को पर्यावरण से संबंधित समकालीन मुद्दों से परिचित करवाना है । निम्नलिखित में से आप किसे प्राथमिकता देंगे ?

- (1) विद्यार्थियों को समाचार चैनल देखने के लिए कहेंगे
- (2) विद्यार्थियों को घर पर समाचार-पत्रों का ग्राहक बनने के लिए कहेंगे
- (3) कक्षा में संबंधित लेखों का उल्लेख करेंगे एवं उनको साझा भी करेंगे
- (4) घर पर समाचार-पत्र पठन को सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता से बात करेंगे

[Question ID = 83][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q83]

- 1. 1 [Option ID = 329]
- 2. 2 [Option ID = 330]
- 3. 3 [Option ID = 331]
- 4. 4 [Option ID = 332]

9) John is forming animal shadows with the help of his hands and asks students to guess which animal is being formed in the shadow. Which of the following processes are involved in this activity ?

- A. Prediction
- B. Observation
- C. Inference
- D. Description

(1) A, B and D

(2) A, B and C

(3) C and D

(4) A and D

जॉन अपने हाथों की सहायता से जंतुओं की परछाई बना रहा है और वह विद्यार्थियों से यह अंदाजा लगाने को कहता है कि परछाई में कौन-सा जानवर बन रहा है। इस गतिविधि में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

- A. अनुमान
- B. अवलोकन
- C. निष्कर्ष
- D. वर्णन

(1) A, B और D

(2) A, B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 84][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q84]

- 1. 1 [Option ID = 333]
- 2. 2 [Option ID = 334]
- 3. 3 [Option ID = 335]
- 4. 4 [Option ID = 336]

10) Integrated perspective in EVS denotes which of the following ?

- (1) Draw insights from science and social studies
- (2) Draw insights from social studies and environment education
- (3) Draw insights from science and environment education
- (4) Draw insights from science, social studies and environment education

पर्यावरण अध्ययन में एकीकृत/संगठित परिप्रेक्ष्य, निम्नलिखित में से किसे निर्दिष्ट करता है ?

- (1) विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन से पूरी जानकारी
- (2) सामाजिक अध्ययन एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी
- (3) विज्ञान एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी
- (4) विज्ञान, सामाजिक अध्ययन एवं पर्यावरण शिक्षा से पूरी जानकारी

[Question ID = 85][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q85]

- 1. 1 [Option ID = 337]
- 2. 2 [Option ID = 338]
- 3. 3 [Option ID = 339]
- 4. 4 [Option ID = 340]

11) Rini asked his teacher, "Why are the stems of plants round and not square shaped ?" What should the teacher do ?

- A. Teacher should tell students that they will learn about this in higher classes.
- B. Teacher should explain students that the reason of round stems is the gravity.
- C. Teacher should ask students to think about the reason for the round shape of stem.
- D. Teacher should take students for a garden visit and ask to observe the shape of various stems.

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) C and D
- (4) A and D

रिनी ने अध्यापक से पूछा, "पौधों के तने गोल क्यों होते हैं, चौकोर क्यों नहीं" ? अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

- A. अध्यापक को विद्यार्थियों से कहना चाहिए कि वे इस बारे में उच्च कक्षाओं में सीखेंगे ।
- B. अध्यापक को विद्यार्थियों को समझाना चाहिए कि गोल तने का कारण गुरुत्वाकर्षण है ।
- C. अध्यापक को विद्यार्थियों से तने के गोल आकार होने के कारण सोचने के बारे में कहना चाहिए ।
- D. अध्यापक को विद्यार्थियों को बाग में घूमने ले जाना चाहिए तथा विभिन्न तनों के आकार देखने के लिए कहना चाहिए ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 86][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q86]

- 1. 1 [Option ID = 341]
- 2. 2 [Option ID = 342]
- 3. 3 [Option ID = 343]
- 4. 4 [Option ID = 344]

12) Which of the following methods can be effective in transaction of EVS ?

- A. Chalk and Talk method
- B. Lecture method
- C. Role play
- D. Story telling

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A, B, C and D

निम्नलिखित में से कौन-सी विधियाँ पर्यावरण अध्ययन के सम्पादन में प्रभावी हो सकती हैं ?

- A. चॉक एवं टॉक विधि
- B. व्याख्यान विधि
- C. भूमिका निर्वहन
- D. कहानी सुनाना

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A, B, C और D

[Question ID = 87][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q87]

- 1. 1 [Option ID = 345]
- 2. 2 [Option ID = 346]
- 3. 3 [Option ID = 347]
- 4. 4 [Option ID = 348]

13) An EVS teacher asked students to write a poem describing their mother. Pammi read her poem, "My mother is sweet like sugar and honey". Some students don't know the meaning of sugar and honey.

What will you do if you are Pammi's teacher ?

- (1) Bring sugar and honey and make the students eat
- (2) Tell students meaning of sugar and honey in local language
- (3) Bring sugar and honey and show them to students
- (4) Explain students how sugar and honey are made

एक पर्यावरण अध्ययन अध्यापक विद्यार्थियों को उनकी मम्मी का वर्णन करने वाली कविता लिखने को कहती है। पम्मी अपनी कविता पढ़ती है, "मेरी मम्मी मीठी है, जैसे मिष्टी दोई"। कुछ विद्यार्थी मिष्टी दोई का अर्थ नहीं जानते हैं।

यदि आप पम्मी के अध्यापक हैं, तो आप क्या करेंगे ?

- (1) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई लाकर खिलाएँगे
- (2) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई का अर्थ स्थानीय भाषा में बताएँगे
- (3) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई लाकर दिखाएँगे
- (4) विद्यार्थियों को मिष्टी दोई कैसे बनता है समझाएँगे

[Question ID = 88][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q88]

- 1. 1 [Option ID = 349]
- 2. 2 [Option ID = 350]
- 3. 3 [Option ID = 351]
- 4. 4 [Option ID = 352]

14) Characteristic of a good EVS curriculum at primary level is to

- (1) engage learners in inventing new products
- (2) focus on acquiring knowledge
- (3) develop socio-emotional skills learners
- (4) help learners to earn their livelihood

प्राथमिक स्तर पर एक अच्छे पर्यावरण अध्ययन के पाठ्यचर्या की विशेषता है

- (1) विद्यार्थियों को नए उत्पादों के आविष्कार में लगाना
- (2) ज्ञान अर्जित करने पर केन्द्रित होना
- (3) विद्यार्थियों में सामाजिक-भावनात्मक कौशलों को विकसित करना
- (4) विद्यार्थियों को जीविकोपार्जन में सहायता करना

[Question ID = 89][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) In EVS group discussion should be conducted, this creates meaningful knowledge. Which of the following statement best describes this fact ?

- (1) Learning is facilitated due to social contact.
- (2) Thoughts and experiences are shared with others.
- (3) Every child is free to express his/her view.
- (4) Every response is accepted without criticism.

पर्यावरण अध्ययन में समूह-चर्चा कराना चाहिए, इससे सार्थक ज्ञान का निर्माण होता है।

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस तथ्य की सर्वोत्तम व्याख्या है ?

- (1) सामाजिक संपर्क के माध्यम से अधिगम सरल हो जाता है।
- (2) विचार और अनुभव दूसरों के साथ साझा किए जाते हैं।
- (3) प्रत्येक बच्चा अपनी राय व्यक्त करने हेतु स्वतंत्र है।
- (4) प्रत्येक प्रतिक्रिया को बिना आलोचना स्वीकार किया जाता है।

[Question ID = 90][Question Description = CTET\_P1\_PART\_3\_EVS\_SET\_102\_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- Marathi\_Q91-99\_L1\_P1\_CTET

1) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही

श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निणेंय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस्त्र..... स्वप्रातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्धा मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

‘विठ्ठलाच्या पायांचे’ वर्णन कोणत्या शब्दात आहे ?

- (1) ओबडधोबड
- (2) राकट
- (3) समचसरण

#### (4) परब्रह्म

[Question ID = 391][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q91]

1. 1 [Option ID = 1561]
2. 2 [Option ID = 1562]
3. 3 [Option ID = 1563]
4. 4 [Option ID = 1564]

2) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस्त्र..... स्वप्रातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्ध मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद

कसा असणार ? एरवीं कधीही पूजेअचला फारसे महत्त्व न देणारा, कसेकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

‘पूर्णपणे’ या अर्थी उताऱ्यात कोणता शब्द ?

(1) यथासांग

(2) पूजा

(3) दर्शन

(4) निमंत्रण

[Question ID = 392][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q92]

1. 1 [Option ID = 1565]
2. 2 [Option ID = 1566]
3. 3 [Option ID = 1567]
4. 4 [Option ID = 1568]

3) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचितकाळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस..... स्वप्नातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःक्षूणी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्धा मनान, कारड्या डाळ्याना दिसल ती एक प्राचीन आकारावल्ह नसलला दगडा मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

लेखकाच्या मते माणसाच्या जगण्यातील आधारापैकी **चुकीचा** पर्याय सांगा.

- (1) श्रद्धा
- (2) द्वेष
- (3) ममत्व
- (4) भक्ती

[Question ID = 393][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q93]

1. 1 [Option ID = 1569]
2. 2 [Option ID = 1570]
3. 3 [Option ID = 1571]
4. 4 [Option ID = 1572]

4) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचितकाळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक

डाळ, दान्हा हात कटावरा, कमरवर शला आणि खाला समचरण; मस्तका उच टापा..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस..... स्वप्नातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःक्षूणी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्धा मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

‘टाहो फोडणे’ या वाक्प्रचाराचा अर्थ सांगा.

- (1) प्रारंभ करणे
- (2) हंबरडा फोडणे
- (3) साकार होणे
- (4) सामोरे जाणे

[Question ID = 394][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q94]

1. 1 [Option ID = 1573]
2. 2 [Option ID = 1574]
3. 3 [Option ID = 1575]
4. 4 [Option ID = 1576]

5) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानगापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही

प्रातःविठ्ठलपूजा करवण्याचा निणय आम्हा घेतला आहे, आपण हा पूजा यथासांग करावा अशा आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस..... स्वप्रातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्ध मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

कोणत्या प्रांतामध्ये विठ्ठलपूजा केली जाते ?

- (1) महाराष्ट्र
- (2) गुजरात
- (3) गोवा

#### (4) काश्मीर

[Question ID = 395][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q95]

1. 1 [Option ID = 1577]
2. 2 [Option ID = 1578]
3. 3 [Option ID = 1579]
4. 4 [Option ID = 1580]

6) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस्र..... स्वप्रातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्ध मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद

कसा असणार ? एखा कदाहा पूजअचला फारस महत्त्व न दणारा, कमकाड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

‘निश्चल’ चा समानार्थी शब्द शोधा.

(1) निवांत

(2) अचल

(3) अश्रद्ध

(4) साक्षात

[Question ID = 396][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q96]

1. 1 [Option ID = 1581]
2. 2 [Option ID = 1582]
3. 3 [Option ID = 1583]
4. 4 [Option ID = 1584]

7) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस्त्र..... स्वप्नातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभाबड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अशाच पाहते. ओबडधोबड्यांनी विठ्ठल मी एक पाहिलेला आकारविलेला पाहिलेला नाही मूर्ती !

अत्रच्छ मत्पण, कारड्या डोळ्यांना विसरला तो एक प्राचाप आकाशावरून पसण्या बगडा मूला ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

विठ्ठलमूर्तीच्या डोक्यावर काय आहे ?

(1) शेला

(2) उंचटोपी

(3) फेटा

(4) मुकुट

[Question ID = 397][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q97]

1. 1 [Option ID = 1585]
2. 2 [Option ID = 1586]
3. 3 [Option ID = 1587]
4. 4 [Option ID = 1588]

8) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अनपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपूजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे, आपण ही पूजा यथासांग करावी अशी आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक होते. होन्नी नान करीतरी कमरेवर शेला आणि खाली समचरणाः सम्यक्की तंन रोती

बाळ, राहण ह्या कथापत्रा, कथापत्रा सवा आता खाता सततया, तसल्या उत प्रता.....

बाकी सर्व देह उघडा, अवस..... स्वप्रातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभावड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्ध मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

‘रेखीव’ चा विरुद्धार्थी शब्द शोधा.

- (1) प्रमाणबद्ध
- (2) आटोपशीर
- (3) ओबडधोबड
- (4) सुंदर

[Question ID = 398][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q98]

1. 1 [Option ID = 1589]
2. 2 [Option ID = 1590]
3. 3 [Option ID = 1591]
4. 4 [Option ID = 1592]

9) **सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

माझ्या घरी मी लहानणापासूनच श्रद्धाळू वातावरणात वाढलो. स्वतः मी मात्र घरच्या देवांचीही कधी नियमित पूजा केलेली नाही, पण एक दिवस अतपेक्षितपणे पंढरपूरहून मला एक फोन आला. दत्तोपंत बडवे यांनी सांगितले की आपल्या उभयतांच्या हातून पंढरपुरी ही श्रीविठ्ठलपजा करवण्याचा निर्णय आम्ही घेतला आहे. आपण दोघां पजा यथासांग करावी अशी

आम्हां सर्वांची विनंती आहे. हे महापूजेचे निमंत्रण सर्वस्वी अनपेक्षित होते. मी पंढरपूरची वाट धरली. आदल्या दिवशी आम्ही पोचलो, दुसऱ्या दिवशी विठ्ठलाची प्रारंभीचीच महापूजा आमची होती. आम्हाला श्री विठ्ठलाच्या समोरच्या दरवाज्यात बसवण्यात आले. आम्ही एकटक विठ्ठलाकडे पाहत होतो. अजून त्याच्या अंगावर आदल्या दिवशीचाच वेष होता. मग पुरोहित पुढे झाले. इथे प्रत्येक लहानसहान विधीसाठी ठरलेले मानकरी व सेवेकरी असतात. त्यांनी विठ्ठलाच्या अंगावरील निर्माल्य हळूहळू बाजूला केले. मग त्याचे कपडे उतरवण्यास प्रारंभ केला. किंचित्काळात विठ्ठलाची उघडी मूर्ती डोळ्यांसमोर साकार झाली ! काळासावळा वर्ण, ओबडधोबड देह, विस्फारल्यागत वाटणारे पण निश्चल, शांत आश्वासक डोळे, दोन्ही हात कटीवरी, कमरेवर शेला आणि खाली समचरण; मस्तकी उंच टोपी..... बाकी सर्व देह उघडा, अवस्त्र..... स्वप्नातही न पाहिलेले सुंदर ते ध्यान साक्षात समोर ठाकले होते नि आम्ही साक्षात आमच्या इवल्याशा डोळ्यांत ते मावेल तेवढे साठवून घेत होतो ! याच मराठमोळ्या, कानडा विठ्ठलाला डोळ्यांत साठवण्यासाठी दशदिशांतील वारकरी इथे, या इवल्याशा जागेत एकत्र होतात. संबंध महाराष्ट्राचा आणि कर्नाटकाचा हा देव. येथल्या भोळ्याभाबड्या, राकट काळ्या, ओबडधोबड देहाच्या माणसासारखाच त्याचा हा देव ! वर वर पाहिले तर एक ओबडधोबड मूर्ती. रेखीवपणाचा अंशही नसलेली..... पण अंतर्मनातून, अंतःचक्षूंनी पाहिली तर किती रूपसुंदर ! देहुडा चरणी वाजवीत वेणू असलेला हा उभा चक्रपाणी पाहण्यासाठी डोळेही तसेच हवेत.

अश्रद्ध मनाने, कोरड्या डोळ्यांनी दिसेल ती एक प्राचीन आकारविल्हे नसलेली दगडी मूर्ती ! पण जेव्हा तुम्हाला जाणवेल, की याच मूर्तीच्या दर्शनासाठी संतांनी टाहो फोडला होता. ज्ञानदेव माउली, तुकाराम महाराज, रामदास महाराज, एकनाथ, निवृत्ती, जनाबाई आणि नामदेव यांनी याच परब्रह्मासाठी जिवाचा आकांत केला होता, किती साधुसंतांचे मस्तक या समचरणावर नत झाले असेल, हे सारे अंतःकरणात जाणवताक्षणी समोरचा विठ्ठल म्हणजे कोण आहे, त्याचा विसर पडतो. माय रखुमादेवीवरू..... साक्षात आई आणि प्रत्यक्ष वडील..... सारे एका त्या दीडहात मूर्तीमध्ये सगुण, साकार झाल्याचे जाणवते. माणसाच्या मनातील श्रद्धा, भक्ती, ममत्व, प्रेम यांच्या आधारावरच तो जगत असतो. तो कितीही बुद्धिनिष्ठ असला तरी त्याला या भावनांना सामोरे जावे लागतेच. त्याला मी तरी अपवाद कसा असणार ? एरवी कधीही पूजेअर्चेला फारसे महत्त्व न देणारा, कर्मकांड न पाळणारा, न मानणारा मी विठ्ठलाच्या दर्शनाने एवढा व्याकुळ का झालो ? ज्ञानदेव, तुकाराम, एकनाथ, नामदेव ? मी तर त्यांच्यासमोर अणुरेणूएवढा. तरीही व्याकुळ होऊन मला त्यांच्या पंक्तीत एका टोकाला बसण्याचे भाग्य लाभले व मी क्षणार्ध आकाशाएवढा झालो !

‘बुद्धिनिष्ठ’ या शब्दातून कोणता आशय सूचित होतो ?

- (1) मंदबुद्धी असणारा
- (2) कर्मकांडावर विश्वास ठेवणारा
- (3) दिलेला शब्द पाळणारा

#### (4) तर्कशुद्ध विचार करणारा

[Question ID = 399][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q99]

1. 1 [Option ID = 1593]
2. 2 [Option ID = 1594]
3. 3 [Option ID = 1595]
4. 4 [Option ID = 1596]

Topic:- Marathi\_Q100-105\_L1\_P1\_CTET

- 1) **सूचना :** पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.
- जिकडेतिकडे पाणीच पाणी, खळखळणारे झरे,  
झुळझुळणारे गवत पोपटी, लवलवणारे तुरे ।  
नवी लकाकी झाडांवरती,  
सुखात पाने – फुले नाहती,  
पाऊसवारा झेलित जाती भिरभिरती पाखरे ।  
हासत भिजती निळसर डोंगर,  
उड्या त्यांतुनी घेती निर्झर,  
कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे ।  
मध्येच घेता वारा उसळी,  
जरी ढगांची तुटे साखळी,  
हिरव्या रानी ऊन बागडे हरिणापरि गोजिरे ।  
'तजेला' या अर्थी आलेला कवितेतला शब्द शोधा.

(1) नाद

(2) लकाकी

(3) उसळी

(4) ऊन

[Question ID = 400][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q100]

1. 1 [Option ID = 1597]
2. 2 [Option ID = 1598]
3. 3 [Option ID = 1599]
4. 4 [Option ID = 1600]

2) **सूचना :** पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

जिकडेतिकडे पाणीच पाणी, खळखळणारे झरे,  
झुळझुळणारे गवत पोपटी, लवलवणारे तुरे ।  
नवी लकाकी झाडांवरती,  
सुखात पाने – फुले नाहती,  
पाऊसवारा झेलित जाती भिरभिरती पाखरे ।  
हासत भिजती निळसर डोंगर,  
उड्या त्यांतुनी घेती निर्झर,  
कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे ।  
मध्येच घेता वारा उसळी,  
जरी ढगांची तुटे साखळी,  
हिरव्या रानी ऊन बागडे हरिणापरि गोजिरे ।

“कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे.” अधोरेखित शब्दाची जात काय आहे ?

(1) सामान्यनाम

(2) विशेषण

(3) क्रियापद

(4) अव्यय

[Question ID = 401][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q101]

1. 1 [Option ID = 1601]
2. 2 [Option ID = 1602]
3. 3 [Option ID = 1603]
4. 4 [Option ID = 1604]

3) **सूचना :** पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

जिकडेतिकडे पाणीच पाणी, खळखळणारे झरे,  
झुळझुळणारे गवत पोपटी, लवलवणारे तुरे ।  
नवी लकाकी झाडांवरती,  
सुखात पाने – फुले नाहती,  
पाऊसवारा झेलित जाती भिरभिरती पाखरे ।  
हासत भिजती निळसर डोंगर,  
उड्या त्यांतुनी घेती निर्झर,  
कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे ।  
मध्येच घेता वारा उसळी,  
जरी ढगांची तुटे साखळी,  
हिरव्या रानी ऊन बागडे हरिणापरि गोजिरे ।  
कवितेत कोणता ऋतू आहे ?

(1) ग्रीष्म ऋतू

(2) शरद ऋतू

(3) वर्षा ऋतू

(4) वसंत ऋतू

[Question ID = 402][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q102]

1. 1 [Option ID = 1605]
2. 2 [Option ID = 1606]
3. 3 [Option ID = 1607]
4. 4 [Option ID = 1608]

4) **सूचना :** पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

जिकडेतिकडे पाणीच पाणी, खळखळणारे झरे,  
झुळझुळणारे गवत पोपटी, लवलवणारे तुरे ।  
नवी लकाकी झाडांवरती,  
सुखात पाने – फुले नाहती,  
पाऊसवारा झेलित जाती भिरभिरती पाखरे ।  
हासत भिजती निळसर डोंगर,  
उड्या त्यांतुनी घेती निर्झर,  
कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे ।  
मध्येच घेता वारा उसळी,  
जरी ढगांची तुटे साखळी,  
हिरव्या रानी ऊन बागडे हरिणापरि गोजिरे ।  
ऊन कोणासारखे दिसत आहे ?

(1) हरिणासारखे

(2) फुलपाखरासारखे

(3) पाखरासारखे

(4) बाळासारखे

[Question ID = 403][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q103]

1. 1 [Option ID = 1609]
2. 2 [Option ID = 1610]
3. 3 [Option ID = 1611]
4. 4 [Option ID = 1612]

5) **सूचना :** पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.

जिकडेतिकडे पाणीच पाणी, खळखळणारे झरे,  
झुळझुळणारे गवत पोपटी, लवलवणारे तुरे ।  
नवी लकाकी झाडांवरती,  
सुखात पाने – फुले नाहती,  
पाऊसवारा झेलित जाती भिरभिरती पाखरे ।  
हासत भिजती निळसर डोंगर,  
उड्या त्यांतुनी घेती निर्झर,  
कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे ।  
मध्येच घेता वारा उसळी,  
जरी ढगांची तुटे साखळी,  
हिरव्या रानी ऊन बागडे हरिणापरि गोजिरे ।  
कडेकपारी कोणत्या भागात असतात ?

(1) पठारी भागात

(2) डोंगराळ भागात

(3) समुद्र किनाऱ्यांवर

(4) वाळवंटात

[Question ID = 404][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q104]

1. 1 [Option ID = 1613]
2. 2 [Option ID = 1614]
3. 3 [Option ID = 1615]
4. 4 [Option ID = 1616]

- 6) **सूचना :** पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न यासाठी योग्य पर्यायाची निवड करा.
- जिकडेतिकडे पाणीच पाणी, खळखळणारे झरे,  
झुळझुळणारे गवत पोपटी, लवलवणारे तुरे ।  
नवी लकाकी झाडांवरती,  
सुखात पाने – फुले नाहती,  
पाऊसवारा झेलित जाती भिरभिरती पाखरे ।  
हासत भिजती निळसर डोंगर,  
उड्या त्यांतुनी घेती निर्झर,  
कडेकपारी रानोरानी नाद नाचरा भरे ।  
मध्येच घेता वारा उसळी,  
जरी ढगांची तुटे साखळी,  
हिरव्या रानी ऊन बागडे हरिणापरि गोजिरे ।  
'निर्झर' या शब्दाचा समानार्थी शब्द शोधा.

(1) झरा

(2) ओढा

(3) नदी

(4) ओहोळ

[Question ID = 405][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q105]

- 1 [Option ID = 1617]
- 2 [Option ID = 1618]
- 3 [Option ID = 1619]
- 4 [Option ID = 1620]

Topic:- Marathi\_Q106-120\_L1\_P1\_CTET

- 1) पुढीलपैकी कोणती बाब पायाभूत वाचन कौशल्य **नाही** ?

(1) उकल करणे/अर्थ लावणे

(2) अक्षर ओळखणे

(3) रुपिम व्यवस्था

(4) शब्दसंग्रह वाचणे

[Question ID = 406][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q106]

- 1 [Option ID = 1621]
- 2 [Option ID = 1622]
- 3 [Option ID = 1623]
- 4 [Option ID = 1624]

2) शिक्षिका लहान मुलांना त्यांच्या सुरवातीच्या वर्षांमध्ये भाषा आत्मसात करण्यासाठी सूचना देते ति त्यानुरूप वागण्यास सांगते. ती कोणत्या बाबीचे अनुसरण करते ?

- (1) स्वतः करा हे धोरण
- (2) समग्र शारीरिक प्रतिभाव धोरण
- (3) कृतीतून शिकणे धोरण
- (4) गोष्टी सांगणे हे धोरण

[Question ID = 407][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q107]

- 1. 1 [Option ID = 1625]
- 2. 2 [Option ID = 1626]
- 3. 3 [Option ID = 1627]
- 4. 4 [Option ID = 1628]

3) भाषा म्हणजे \_\_\_\_\_ याचे सामाजिक साधन आहे.

- (1) अर्थनिरूपण
- (2) संभाषण
- (3) अनुकरण
- (4) हस्तक्षेप

[Question ID = 408][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q108]

- 1. 1 [Option ID = 1629]
- 2. 2 [Option ID = 1630]
- 3. 3 [Option ID = 1631]
- 4. 4 [Option ID = 1632]

4) मजकूर वाचताना स्थान, नावे, तारखा इत्यादी तपशिलांना समजून घेणे म्हणजे

- (1) जागतिक आकलन
- (2) स्थानिक आकलन
- (3) अनुमान लावणे
- (4) मजकुराचा अर्थ लावणे

[Question ID = 409][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q109]

- 1. 1 [Option ID = 1633]
- 2. 2 [Option ID = 1634]
- 3. 3 [Option ID = 1635]
- 4. 4 [Option ID = 1636]

5) शिक्षिका इयत्ता 5वीच्या मुलांना आशयाचे तीट आकलन व्हावे, यासाठी एक मोठा लेख वाचण्यास सांगते. ती पुढीलपैकी कोणत्या गोष्टीचा सराव करून घेते आहे ?

- (1) व्यापक वाचन
- (2) सघन वाचन
- (3) शब्द जुळणी
- (4) जोड वाचन

[Question ID = 410][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q110]

1. 1 [Option ID = 1637]
2. 2 [Option ID = 1638]
3. 3 [Option ID = 1639]
4. 4 [Option ID = 1640]

6) शिक्षिका लहान मुलांना नवीन शब्द शिकवताना प्रत्यक्ष वस्तूंचा वापर करते. कारण

- (1) त्यामुळे शब्दाचे अचूक अक्षरक्रम शिकविण्यास मदत होते.
- (2) शब्दसंग्रह फक्त वस्तूंच्या माध्यमातूनच शिकवता येतो.
- (3) लहान मुले अमूर्त चिंतन करण्यास सक्षम नसतात.
- (4) त्यामुळे मुले वास्तव जीवनात पाहिलेली वस्तू आणि शब्द यांच्या संबंध लावू शकतात.

[Question ID = 411][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q111]

1. 1 [Option ID = 1641]
2. 2 [Option ID = 1642]
3. 3 [Option ID = 1643]
4. 4 [Option ID = 1644]

7) जेव्हा विद्यार्थी नवीन भाषा निवडतो, पण बोलू शकत नाही. या अवस्थेला काय म्हणता येईल ?

- (1) वाचिक उद्भव अवस्था (Speech emergent)
- (2) मूक अवस्था
- (3) प्रारंभिक उत्पादन
- (4) उद्भव

[Question ID = 412][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q112]

1. 1 [Option ID = 1645]
2. 2 [Option ID = 1646]
3. 3 [Option ID = 1647]
4. 4 [Option ID = 1648]

8) एक यशस्वी शिक्षक कोणती कृती करतील ?

- (1) मुलांना पाठ्यपुस्तकातील सगळ्या प्रश्नांची उत्तरे पाठ करण्यास सांगतील
- (2) शिकवताना मजकूर आणि इतर साधनांचा वापर करतील
- (3) पाठ्यपुस्तकातील प्रश्नांचाच आधार घेऊन प्रश्नपत्रिका तयार करतील
- (4) फक्त पाठ्यपुस्तकावरच भर देतील

[Question ID = 413][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q113]

1. 1 [Option ID = 1649]
2. 2 [Option ID = 1650]
3. 3 [Option ID = 1651]
4. 4 [Option ID = 1652]

9) शिक्षिका मुलांचे भाषिक कार्य एका फोल्डरमध्ये ठेवते आणि त्याचा मुलांच्या भाषिक प्रगतीच्या मूल्यमापनासाठी वापर करते. याप्रकारच्या मूल्यमापनांस काय म्हणता येते ?

- (1) नैदानिक चाचणी
- (2) एनेक्डोटल रेकॉर्ड
- (3) सारांश मूल्यमापन
- (4) संचयिका (पोर्टफोलियो) मूल्यमापन

[Question ID = 414][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q114]

1. 1 [Option ID = 1653]
2. 2 [Option ID = 1654]
3. 3 [Option ID = 1655]
4. 4 [Option ID = 1656]

10) लक्ष्य भाषा शिकवताना मुलांच्या मातृभाषेचा अडथळा उत्पन्न होऊ दिला जाणार नाही या पद्धतीला काय म्हणता येईल ?

- (1) थेट पद्धती
- (2) व्याकरण अनुवाद पद्धती
- (3) द्वैभाषिक पद्धती
- (4) परिस्थितीनुरूप अध्यापन पद्धती

[Question ID = 415][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q115]

1. 1 [Option ID = 1657]
2. 2 [Option ID = 1658]
3. 3 [Option ID = 1659]
4. 4 [Option ID = 1660]

11) पुढीलपैकी कोणती बाब अधोगामी पद्धतीवर (Top-down) आधारित नाही ?

- (1) विद्यार्थी त्याच्या पूर्वज्ञानाचा आधार घेऊन भाषेचा अर्थ लावतो.
- (2) विद्यार्थी वाचताना किंवा ऐकताना आता यापुढे काय होणार याचा अनुमान लावतो.
- (3) प्रत्येक शब्द आणि वाक्यावर लक्ष देऊन भाषा समजून घेतो.
- (4) विद्यार्थी कविता आणि कथेपासून सुरुवात करून मग अक्षरांकडे वळतात.

[Question ID = 416][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q116]

1. 1 [Option ID = 1661]
2. 2 [Option ID = 1662]
3. 3 [Option ID = 1663]
4. 4 [Option ID = 1664]

12) उपचारात्मक शिक्षण म्हणजे

- (1) विद्यार्थ्यांच्या शिक्षणात उद्धवणाऱ्या उणीवा भरून काढणे.
- (2) संकल्पनांबद्दलचा गैरसमज दूर करणे.
- (3) वर्गात एकजिनसीपणा राखण्यात मदत करणे.
- (4) नवीन भाषा घटकांचा परिचय करून देणे.

[Question ID = 417][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q117]

1. 1 [Option ID = 1665]
2. 2 [Option ID = 1666]
3. 3 [Option ID = 1667]
4. 4 [Option ID = 1668]

13) वाचणे, अर्थ लावणे आणि अक्षर, शब्द व चिन्ह न समजता येणे. ही अक्षमता म्हणजे

- (1) डिसलेक्सिया
- (2) डिस्केलक्युलिया
- (3) डिसफेसिया
- (4) डिसपराक्सिया

[Question ID = 418][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q118]

1. 1 [Option ID = 1669]
2. 2 [Option ID = 1670]
3. 3 [Option ID = 1671]
4. 4 [Option ID = 1672]

14) पुढीलपैकी कोणती बाब ही भाषा वर्गात मुद्रण-समृद्ध वातावरणात समाविष्ट होते ?

- (1) तक्ते, पोस्टर इत्यादी सामग्री वर्गात प्रदर्शित करणे.
- (2) वातावरणात सूचनाफलक, प्लेकार्ड, लेबल्स, रैपर्स, असणे.
- (3) वर्गातील कपाटात पुस्तके ठेवणे.
- (4) टीव्ही, संगणक, स्मार्टफोन या सारख्या इलेक्ट्रॉनिक वस्तू असणे.

[Question ID = 419][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q119]

1. 1 [Option ID = 1673]
2. 2 [Option ID = 1674]
3. 3 [Option ID = 1675]
4. 4 [Option ID = 1676]

15) पहिल्या पिढीचे विद्यार्थी म्हणजे

- (1) शाळेत येणारा कुटुंबातील पहिलावहिला विद्यार्थी.
- (2) शाळेत प्रवेश घेण्यासाठी पहिल्यांदा आलेला विद्यार्थी.
- (3) शाळेत 'शालेय तयारी' कार्यक्रमात सहभागी होणारा विद्यार्थी.
- (4) शाळेत पहिल्यांदाच भाषा शिकणारा विद्यार्थी.

[Question ID = 420][Question Description = CTET\_P1\_PART\_4\_L1\_SET\_102\_MARATHI\_Q120]

1. 1 [Option ID = 1677]
2. 2 [Option ID = 1678]
3. 3 [Option ID = 1679]
4. 4 [Option ID = 1680]

Topic:- Sanskrit\_Q121-128\_L2\_P1\_CTET

- 1) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

भक्षयितुं इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः अस्ति ?

- (1) क्त
- (2) क्तिन्
- (3) तुमुन्
- (4) ल्युट्

[Question ID = 1111][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q121]

- 1. 1 [Option ID = 4441]
- 2. 2 [Option ID = 4442]
- 3. 3 [Option ID = 4443]
- 4. 4 [Option ID = 4444]

2) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने कः अवसत् ?

(1) मृगः

(2) मूषकः

(3) सिंहः

(4) मयूरः

[Question ID = 1112][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q122]

1. 1 [Option ID = 4445]
2. 2 [Option ID = 4446]
3. 3 [Option ID = 4447]
4. 4 [Option ID = 4448]

3) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

‘सहसा क्रियां न विदधीत’ इति कः कम् कथयति ?

(1) चित्रग्रीवः कपोतान्

(2) व्याधः मूषकम्

(3) मूषकः चित्रग्रीवम्

(4) कपोतः मूषकम्

[Question ID = 1113][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q123]

1. 1 [Option ID = 4449]
2. 2 [Option ID = 4450]
3. 3 [Option ID = 4451]
4. 4 [Option ID = 4452]

- 4) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

अधोलिखितेषु किं अव्ययपदं न अस्ति ?

(1) यदा

(2) तदा

(3) तथा

(4) कथ्यते

[Question ID = 1114][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q124]

1. 1 [Option ID = 4453]
2. 2 [Option ID = 4454]
3. 3 [Option ID = 4455]
4. 4 [Option ID = 4456]

- 5) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

कपोताः पुनः \_\_\_\_\_ अभवन् ।

- (1) प्रसन्नाः
- (2) बुभुक्षिताः
- (3) बहवः
- (4) स्वतन्त्राः

[Question ID = 1115][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q125]

1. 1 [Option ID = 4457]
2. 2 [Option ID = 4458]
3. 3 [Option ID = 4459]
4. 4 [Option ID = 4460]

6) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

सत्यमेव किं कथ्यते ?

(1) सत्यमेव जयते

(2) शठे शाठ्यम् समाचरेत्

(3) समवायो हि दुर्जयः

(4) बुद्धिः एव बलम्

[Question ID = 1116][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q126]

1. 1 [Option ID = 4461]
2. 2 [Option ID = 4462]
3. 3 [Option ID = 4463]
4. 4 [Option ID = 4464]

7) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

‘स्वतन्त्राः’ इति अस्मिन् पदे का विभक्तिः ?

(1) पञ्चमी

(2) षष्ठी

(3) तृतीया

(4) प्रथमा

[Question ID = 1117][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q127]

1. 1 [Option ID = 4465]
2. 2 [Option ID = 4466]
3. 3 [Option ID = 4467]
4. 4 [Option ID = 4468]

8) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

गंगातीरे एकः विशालः वटवृक्षः आसीत् । तस्य शाखासु बहवः खगाः स्नेहेन निवसन्ति स्म । एकदा प्रातःकाले एकः व्याधः तत्रागच्छत् । सः वृक्षस्य अधः जालम् प्रासारयत् । जालस्य उपरि तण्डुलान् विकीर्य सः एकस्मिन् स्थाने अतिष्ठत् । ततः चित्रग्रीवः नामकः कपोतराजः सपरिवारं तत्रागच्छत् । तण्डुलकणान् दृष्ट्वा सः अकथयत् – अत्र निर्जने वने तण्डुलप्राप्तिः कथम् सम्भवा ? अत्र विपत्तिः सन्निकटा दृश्यते । अतः शीघ्रम् उत्पतत । किन्तु तस्य सहचरा तु बुभुक्षिताः आसन् । अतः तस्य वचनानि उपेक्ष्य ते अवदन् – अधुना भोजनस्य अभावः अस्ति । अत्र शोभनाः तण्डुलाः दृश्यन्ते । अपि च कोऽपि न अस्ति अत्र । आगच्छत, खादामः ।

कपोतराजः पुनरपि तान् सचेतान् कर्तुम् अकथयत् – सहसा क्रियां न विदधीत । अतः सम्यक् विचार्य एव कार्यं कर्तव्यम् । तण्डुललोभात् सर्वे कपोताः शीघ्रमेव तण्डुलान् भक्षयितुं नीचैः आगच्छन् यदा एव ते तण्डुलकणान् खादितुम् आरभन्त तदा एव ते सर्वे जाले बद्धाः अभवन् । ते जालात् बहिः आगन्तुम् बहु प्रायतन्त किन्तु सफलाः न अभवन् ।

चित्रग्रीवः व्याधं दृष्ट्वा तान् अवदत् – अधुना यूयं सर्वे मिलित्वा जालम् आदाय शीघ्रं उत्पतत । ते तथैव अकुर्वन् । व्याधः तान् अन्वधावत् किन्तु शीघ्रमेव ते अगोचराः अभवन् । निराशः व्याधः स्वगृहम् आगच्छत् ।

वनस्य एकस्मिन् स्थाने हिरण्यकः नाम मूषकः अवसत् । सः कपोतराजस्य मित्रम् आसीत् । सर्वे कपोताः जालम् आदाय तस्य समीपम् अगच्छन् । तेषां प्रार्थनाम् आकर्ण्य सः जालम् अकृन्तत् । एवं कपोताः पुनः स्वतन्त्राः अभवन् । परस्परं सहयोगेन एव ते स्वतन्त्राः सफलाः च अभवन् । सत्यमेव कथ्यते – समवायो हि दुर्जयः ।

गङ्गातीरे किं आसीत् ?

(1) वटवृक्षः

(2) पशवः

(3) खगाः

(4) जनाः

[Question ID = 1118][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q128]

1. 1 [Option ID = 4469]
2. 2 [Option ID = 4470]
3. 3 [Option ID = 4471]
4. 4 [Option ID = 4472]

Topic:- Sanskrit\_Q129-135\_L2\_P1\_CTET

- 1) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णं वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

राजा ऋषेः अङ्के किं अपश्यत् ?

- (1) चटकाम्
- (2) शुकम्
- (3) मार्जारीम्
- (4) सारिकाम्

[Question ID = 1119][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q129]

1. 1 [Option ID = 4473]
2. 2 [Option ID = 4474]
3. 3 [Option ID = 4475]
4. 4 [Option ID = 4476]

- 2) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णं वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

‘अभवत्’ इत्यस्य पदस्य शुद्धः लकारः अस्ति ।

(1) लटलकारः

(2) विधिलिङ्

(3) लृटलकारः

(4) लङलकारः

[Question ID = 1120][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q130]

1. 1 [Option ID = 4477]
2. 2 [Option ID = 4478]
3. 3 [Option ID = 4479]
4. 4 [Option ID = 4480]

3) **निर्देशः** : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुजया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णान् वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

शुकः छात्रैः सह किं अगायत् ?

(1) गीतानि

(2) वेदमन्त्रान्

(3) व्याकरणसूत्राणि

(4) कविताम्

[Question ID = 1121][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q131]

1. 1 [Option ID = 4481]
2. 2 [Option ID = 4482]
3. 3 [Option ID = 4483]
4. 4 [Option ID = 4484]

- 4) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुजया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णान् वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

‘इत्युक्त्वा’ इत्यस्य पदस्य शुद्धः विच्छेदः किं अस्ति ?

- (1) इत्यु + क्त्वा
- (2) इत्युक् + त्वा
- (3) इत्य + उक्त्वा
- (4) इति + उक्त्वा

[Question ID = 1122][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q132]

1. 1 [Option ID = 4485]
2. 2 [Option ID = 4486]
3. 3 [Option ID = 4487]
4. 4 [Option ID = 4488]

- 5) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णान् वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

‘अनुकरणशीलः अयं पक्षी’ इति कः कम् कथयति ?

- (1) राजा ऋषिम्
- (2) ऋषिः शिष्यान्
- (3) ऋषिः राजानम्
- (4) राजा शिष्यान्

[Question ID = 1123][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q133]

1. 1 [Option ID = 4489]
2. 2 [Option ID = 4490]
3. 3 [Option ID = 4491]
4. 4 [Option ID = 4492]

6) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णं वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

गद्यांशे क्त्वाप्रत्ययान्तं पदं किं अस्ति ?

- (1) दृष्ट्वा
- (2) आरभत्
- (3) भवान्
- (4) अवदत्

[Question ID = 1124][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q134]

1. 1 [Option ID = 4493]
2. 2 [Option ID = 4494]
3. 3 [Option ID = 4495]
4. 4 [Option ID = 4496]

7) निर्देशः : अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चित्वा लिखत ।

एकदा विजयसिंहः नाम कश्चित् राजा मृगयार्थं वनम् अगच्छत् । तत्र सः कस्यचित् ऋषेः आश्रमं प्राप्तवान् । तत्र सः ऋषेः अङ्के उपविष्टं कञ्चन शुकम् अपश्यत् । ऋषिः शिष्यान् वेदमन्त्रान् अपाठयत् । शुकः अपि छात्रैः सह वेदमन्त्रान् अगायत् । यदा आचार्यः शिष्यान् प्रश्नान् अपृच्छत् तदा शुकः अपि तैः सह उत्तराणि अवदत् । शुकस्य तद् पाण्डित्यं दृष्ट्वा राज्ञः मनः तस्मै शुकाय अलोभत । सः ऋषिं तं शुकम् अयाचत । ऋषिः अवदत् – “राजन्, यथा इच्छसि तथा कुरु ।”

राजा ऋषेः अनुज्ञया तं शुकं वनात् राजप्रासादम् आनयत् । अहो आश्चर्य ! तत्र आगत्य सः शुकः कदापि वेदमन्त्रान् न अगायत् । तत्रऽस्थितानां राजपुत्राणां सम्भाषणं, सेवकानां परस्पर कलहान् अपशब्दान् च सः प्रतिदिनम् अशृणोत् । सः अपि तथैव भाषितुम् आरभत । शुकस्य मुखात् वेदमन्त्राणां स्थाने अपशब्दान् श्रुत्वा राजा चकितः अभवत् । अन्येद्युः सः शुकं गृहीत्वा ऋषेः आश्रमम् आगत्य, अवदत् क्रोधेन – “आचार्य, भवतः एष शुकः वञ्चकः । एष अत्र आश्रमे वेदमन्त्रान् वदति, मम प्रासादे तु अपशब्दान् कलहपूर्णान् वाणीं च वदति । न अहम् इच्छामि अस्य सहवासम् । स्वीकरोतु भवान् एव एनं खगम् ।” इत्युक्त्वा सः तं शुकम् ऋषये अयच्छत् । ऋषिः शान्तेन मनसा महता प्रेम्णा तं शुकं अङ्के उपावेशयत्, अवदत् च – “राजन्, अनुकरणशीलः अयं पक्षी । यद् शृणोति तदेव अनुवदति । प्रकृतिः इयं तस्य । तस्मै किं श्रावणीयं किं वा न श्रावणीयम् इति अस्माभिः एव सम्यक् चिन्तनीयम् । भवान् आदौ आत्मपरीक्षणं करोतु अनन्तरमेव एनं शुकं दूषयतु ।” ऋषेः वचनं श्रुत्वा राजा स्वापराधम् अवगम्य अधोवदनः तस्मात् आश्रमात् विनिर्गतः ।

राजा सक्रोधः ऋषये किं अयच्छत् ?

(1) दण्डः

(2) दानम्

(3) शुकः

(4) फलम्

[Question ID = 1125][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q135]

1. 1 [Option ID = 4497]
2. 2 [Option ID = 4498]
3. 3 [Option ID = 4499]
4. 4 [Option ID = 4500]

Topic:- Sanskrit\_Q136-150\_L2\_P1\_CTET

1) छात्रैः कस्यापि प्रदत्तकार्यस्य, कक्षायाः, पाठ्यक्रमस्य कार्यक्रमस्य च समाप्तौ ज्ञानं, कौशलं अभिवृत्तिः च अर्जितव्या । एतत् किं कथनं वर्णयितुं सम्भवति ?

(1) शिक्षणस्य प्रतिफलं

(2) शिक्षणस्य शैली

(3) शिक्षणस्य स्तराः

(4) शिक्षणस्य अक्षमता

[Question ID = 1126][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q136]

1. 1 [Option ID = 4501]

2. 2 [Option ID = 4502]

3. 3 [Option ID = 4503]

4. 4 [Option ID = 4504]

2) एका शिक्षिका छात्रेभ्यः शिक्षणगतिविधीनाम् माध्यमेन मौखिकभाषां लिखितभाषां प्रयोक्तुम् अन्वेष्टुं च अवसरान् ददाति । सा केन्द्रिता अस्ति

(1) सकलशारीरिकप्रतिक्रियायां

(2) कार्याधारित भाषाशिक्षणे

(3) पाठ्यपुस्तकाधारितभाषाशिक्षणे

(4) शिक्षणस्य शाब्दिकोपागमे

[Question ID = 1127][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q137]

1. 1 [Option ID = 4505]

2. 2 [Option ID = 4506]

3. 3 [Option ID = 4507]

4. 4 [Option ID = 4508]

3) प्रथमकक्षायाः एका अध्यापिका छात्रैः सह क्रीडाः क्रीडति । तासु क्रीडासु सा ताः छात्रान् चलितुम् धावितुम् उपवेष्टुम् उपसर्पितुम् (Crawl) अन्यगतिविधीन् च कर्तुम् निर्दिशति । अनेन प्रकारेण तया छात्राणां किं विकस्यते ?

(1) सकलसञ्चालनकौशलम् (Gross motor skill)

(2) सूक्ष्मसञ्चालनकौशलम् (Fine motor skill)

(3) सकलशारीरिकप्रतिक्रिया (Total physical response)

(4) शारीरिकशिक्षागतिविधयः (Physical education activities)

[Question ID = 1128][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q138]

1. 1 [Option ID = 4509]

2. 2 [Option ID = 4510]

3. 3 [Option ID = 4511]

4. 4 [Option ID = 4512]

4) छात्राणाम् पाठ्यवस्तुनि अवबोधनस्य ताभ्यः सूचनाउद्घरणस्य पाठ्यवस्तुनिर्वचनस्य च दक्षता कथ्यते ।

(1) प्रवाहपूर्णपठनम् (Reading fluency)

(2) निष्कूटनम् (Decoding)

(3) श्रुतलेखः (Dictation)

(4) पठनावबोधनम् (Reading comprehension)

[Question ID = 1129][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q139]

1. 1 [Option ID = 4513]

2. 2 [Option ID = 4514]

3. 3 [Option ID = 4515]

4. 4 [Option ID = 4516]

5) एका सञ्चालकविकलता (Motor disorder) यया ध्वनेः उत्पादने जिह्वाओष्ठयोः समन्वयः प्रभावितः भवति, कथ्यते

(1) डिस्कैल्कुलिया (Dyscalculia)

(2) डिस्फेज़िया (Dysphasia)

(3) डिस्प्रेक्सिया (Dyspraxia)

(4) डिस्लेक्सिया (Dyslexia)

[Question ID = 1130][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q140]

1. 1 [Option ID = 4517]

2. 2 [Option ID = 4518]

3. 3 [Option ID = 4519]

4. 4 [Option ID = 4520]

6) अधोलिखितेषु किं व्यागोत्स्कीमहोदयस्य भाषाविकाससिद्धान्ते आधारितम् अस्ति ?

(1) यदा एकः बालः जायते तदा भाषायाः काऽपि आधारभूता क्षमता न भवति ।

(2) भाषाविकासः सामान्यसंज्ञानात्मकविकासक्रमे निरन्तरता भवति ।

(3) भाषा सामाजिकअन्तर्क्रियां विकसति

(4) बालकाः सकारात्मकपुनरुर्जस्वितायाः (Positive reinforcement) उत्पादरूपेण भाषां शिक्षन्ते ।

[Question ID = 1131][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q141]

1. 1 [Option ID = 4521]

2. 2 [Option ID = 4522]

3. 3 [Option ID = 4523]

4. 4 [Option ID = 4524]

7) अधोलिखितेषु किं कार्याधारितभाषाशिक्षणस्य सिद्धान्तः न अस्ति ?

- (1) सोपाननिर्माणम् (Scaffolding)
- (2) सक्रियशिक्षणम् (Active learning )
- (3) सृजनाय पुनरुत्पादनम् (Reproduction to create)
- (4) अनुवादस्य प्रतिबिम्बः (Reflection of translation)

[Question ID = 1132][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q142]

- 1. 1 [Option ID = 4525]
- 2. 2 [Option ID = 4526]
- 3. 3 [Option ID = 4527]
- 4. 4 [Option ID = 4528]

8) भाषाशिक्षणे संरचनात्मकोपागमे (Constructivist approach) शिक्षकात् अपेक्ष्यते

- (1) छात्रेभ्यः पूर्वनिर्मितज्ञानदानम् ।
- (2) स्वपाठ्यक्रमस्य स्वयमेव निर्माणम् ।
- (3) छात्राणाम् स्वपाठ्यपुस्तकं स्वयं रचितुम् समर्थीकरणम् ।
- (4) स्वज्ञानस्य माध्यमेन ज्ञाननिर्मातुं छात्राणाम् साहाय्यम् ।

[Question ID = 1133][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q143]

- 1. 1 [Option ID = 4529]
- 2. 2 [Option ID = 4530]
- 3. 3 [Option ID = 4531]
- 4. 4 [Option ID = 4532]

9) अभिकथनम् (A) :

उपचारात्मकशिक्षणं एका प्रक्रिया अस्ति यस्यां शिक्षिका प्रथमं छात्राणां समस्यायाः निदानं करोति तदनन्तरं उचितपद्धतेः प्रयोगं करोति ।

कारणम् (R) :

उपचारात्मकपद्धतेः प्रयोगात् पूर्वं अध्यापकः छात्राणाम् शक्तयः दुर्बलताः च जानीत् ।  
अधस्तनेपूचितमुत्तरं चिनुत

- (1) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्तः, (R) च (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या अस्ति ।
- (2) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्तः, परन्तु (R), (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या न अस्ति ।
- (3) (A) सत्यम् अस्ति, परन्तु (R) असत्यम् अस्ति ।
- (4) (A) असत्यम् अस्ति, परन्तु (R) सत्यम् अस्ति ।

[Question ID = 1134][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q144]

- 1. 1 [Option ID = 4533]
- 2. 2 [Option ID = 4534]
- 3. 3 [Option ID = 4535]
- 4. 4 [Option ID = 4536]

10) अभिकथनम् (A) :

यदा त्वम् अल्पवयः असि तदा अन्यभाषायाः शिक्षणम् सरलतरम् ।

कारणम् (R) :

शुद्धउच्चारणस्य विकासः अपेक्षाकृतः अनायासः भवति यदि अयं आधारभूते स्तरे शिक्षितः ।  
अधस्तनेषूचितमुत्तरं चिनुत

- (1) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्तः, (R) च (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या अस्ति ।
- (2) (A) तथा (R) द्वे सत्ये स्तः, परन्तु (R), (A) इत्यस्य कथनस्य उचितव्याख्या न अस्ति ।
- (3) (A) सत्यम् अस्ति, परन्तु (R) असत्यम् अस्ति ।
- (4) (A) असत्यम् अस्ति, परन्तु (R) सत्यम् अस्ति ।

[Question ID = 1135][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q145]

1. 1 [Option ID = 4537]
2. 2 [Option ID = 4538]
3. 3 [Option ID = 4539]
4. 4 [Option ID = 4540]

11) यदा बालकाः मानकव्याकरणं शिक्षितुं प्रारम्भन्ते ते सामान्यतः अस्य अतिसामान्यीकरणं कुर्वन्ति । अस्य कारणम् अस्ति

- (1) ते परिष्करणाय सावधानं व्याकरणनियमान् शिक्षन्ते ।
- (2) ते मन्यन्ते यत् सामान्यवाक्यरचनानियमाः सर्वत्र उपयुक्ताः सन्ति ।
- (3) ते भाषायां प्रवाहशीलाः भवितुं व्याकरणस्य प्रयोगं कुर्वन्ति ।
- (4) बालकाः स्वपितृभ्यः भाषायाः आधारभूतनियमान् शिक्षन्ते ।

[Question ID = 1136][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q146]

1. 1 [Option ID = 4541]
2. 2 [Option ID = 4542]
3. 3 [Option ID = 4543]
4. 4 [Option ID = 4544]

12) एकस्मात् पाठ्यवस्तुतः सूचनां गृहीत्वा, तस्याः व्याख्याः अभिधेयार्थस्तरात् भिन्नरूपेण करणम् कथ्यते

- (1) पूर्वकथनम् (Predicting)
- (2) तुलना (Comparing)
- (3) द्रुतपठनम् (Skimming)
- (4) निष्कर्षग्रहणम् (Inferring)

[Question ID = 1137][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q147]

1. 1 [Option ID = 4545]
2. 2 [Option ID = 4546]
3. 3 [Option ID = 4547]
4. 4 [Option ID = 4548]

13) पञ्चमकक्षायाः एकः छात्रः कथयति यत् यदा मम मित्रं पञ्जाबीभाषया सम्भाषते तं अधिगन्तुम् कठिनं न अस्ति परन्तु अस्याः पठनं आयासपूर्णम् अस्ति । एतत् कथनं तम् स्वाकलनाय योग्यं करोति, यतो हि तेन कृतम्

- (1) शिक्षणस्य आकलनम्
- (2) शिक्षणाय आकलनम्
- (3) शिक्षणरूपेण आकलनम्
- (4) शिक्षणे आकलनम्

[Question ID = 1138][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q148]

- 1. 1 [Option ID = 4549]
- 2. 2 [Option ID = 4550]
- 3. 3 [Option ID = 4551]
- 4. 4 [Option ID = 4552]

14) भाषाकलनस्य किं मापनम् अस्ति ?

- (1) प्रत्येक छात्रस्य स्वसहपाठिनः तुलनायां उपलब्धिः ।
- (2) तेषां समग्रा योगात्मिका (Summative) वा उपलब्धिः ।
- (3) छात्राणां भाषा-उपलब्धिः ।
- (4) छात्राणां भाषानैपुण्यम् ।

[Question ID = 1139][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q149]

- 1. 1 [Option ID = 4553]
- 2. 2 [Option ID = 4554]
- 3. 3 [Option ID = 4555]
- 4. 4 [Option ID = 4556]

15) स्टीफन क्रेसनमहोदयस्य 'बोधगम्यनिवेशः' (Comprehensible input) इति सिद्धान्तेन प्रस्तावितम्

- (1) छात्रेभ्यः तेषां भाषानुरूपं भाषायाः उपलब्धिकरणम् ।
- (2) छात्रैः पाठ्यपुस्तकात् शिक्षकात् च निविष्टप्राप्तिः ।
- (3) छात्रैः तेषां भाषास्तरात् किञ्चित् उच्चस्तरेण भाषायाः अन्वेषणम् ।
- (4) छात्राणाम् स्तरात् उच्चतरपाठ्यवस्तुनः सामग्र्यः च अन्वेषणम् ।

[Question ID = 1140][Question Description = CTET\_P1\_PART\_5\_L2\_SET\_102\_SANSKRIT\_Q150]

- 1. 1 [Option ID = 4557]
- 2. 2 [Option ID = 4558]
- 3. 3 [Option ID = 4559]
- 4. 4 [Option ID = 4560]